डाक पंजीयन सं. जयपुर सिटी/101/2020-22

R.N.I. No. RAJHIN/2014/56746

मीडिया दृष्टिकोण

वर्ष : 09 > अंक : 42 > मूल्य: 10 रुपए >पृष्ठ : 08

हिलव्यू समाचार

सत्य की आवाज़ नहीं दबाई जा सकती है।
-शालिनी श्रीवास्तव

website: www.hsnews.in

जयपुर, सोमवार, 17 अप्रैल 2023

पुलिस दिवस पर गहलोत की अपराधियों को चेतावनी

अपराधी करें सरेंडर वर्ना कर दिए जाएंगे नेस्तनाबूद: मुख्यमंत्री

हिलव्यू समाचार

जयपुर। पुलिस के 74वें स्थापना दिवस पर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने तमाम माफिया और गैंगस्टर को चेतावनी देते हुए कहा कि अपराधी या तो सरेंडर कर दें, नहीं तो मिटा दिए जाएंगे। शुक्रवार को आरपीए में परेड के बाद गहलोत ने कहा कि पिछले दो महीनों में बेहतरीन कार्रवाइयां की गई हैं। जिससे अपराधियों में खौफ का माहौल है और वो अहिंसा का रास्ता अपना रहे हैं। पहले जिनके दिन की शुरुआत अपराध से होती थी, वो हाथ जोड़े पुलिस और जनता से माफी मांगते घूम रहे हैं। उन्होंने अपराधियों को चेतावनी दी कि जो अभी भी जेल से बाहर हैं, वो सरेंडर कर दें वर्ना उनका हाल भी वही होगा, जो बाकी अपराधियों का हो रहा है। माफियाओं के इरादों को नेस्तनाबूद कर दिया जाएगा।

नियमों के दायरे में रहकर हो सख्ती

गहलोत ने कहा कि लोकतंत्र में तत्वरित न्याय कभी भी समाधान नहीं हो सकता है, क्योंकि वो गलत रास्ते पर ले जाएगा। हमें अपराधियों पर नियमों के दायरे में रहकर सख्ती करनी होगी। जैसी पिछले एक-दो महीने में राजस्थान में देखने को मिली। पिछले एक महीने में पुलिस ने झुकेगी नहीं के तहत कार्रवाई की। जिसके कारण अपराधों में 10 प्रतिशत की कमी आई है।

चुनावी साल में चौकन्ना रहने की जरूरत

मुख्यमंत्री ने कहा कि पुलिस की वर्दी इसलिए भी खाकी है, क्योंकि उस पर आसानी से दाग नहीं लग सकता है। इस वर्दी को बेदाग रखना हम सबकी जिम्मेदारी है। कुछ असामाजिक तत्व माहौल खराब करने की कोशिश करते हैं। चुनावी साल होने की वजह से ऐसे लोगों पर कार्रवाई करने की जरूरत है। राजस्थान में पुलिस का इकबाल बुलंद है। हमारी पुलिस बहुत अच्छा काम कर रही है। जो घटनाएं देश-दुनिया में होती है, हमें उनसे कोई मतलब नहीं है, लेकिन हमें राजस्थान में क्राइम पर लगाम लगाए रखनी है। अगर कोई गलत रास्ते पर जा रहा है तो पुलिस समय रहते अंकुश लगाए। पुलिस सख्त कार्रवाई करे, ताकि गैंगस्टर बने ही नहीं। जहां गैंगस्टर बन गए हैं, वहां आप देख रहे हो कि क्या हो रहा है। ये घटनाएं किसी जमाने में राजस्थान में हुआ करती थी, लेकिन धीरे-धीरे लगाम लग गई है।

पिता जैसा सख्त हो पुलिस का रवैया

गहलोत ने कहा- पुलिस का रवैया जनता के लिए मां जैसा ममतामयी और अपराधियों के लिए पिता जैसा सख्त होना चाहिए। राजस्थान पुलिस के नवाचार की चर्चा दूसरे राज्यों में भी होती है। कई बार सुनने को मिलता है कि पासपोर्ट और नौकरी के लिए पुलिस वेरिफेशन में लोगों को परेशानी होती है। लेकिन, ऐसी व्यवस्था की जाए कि लोगों में पुलिस के प्रति सम्मान बढ़े।

राजस्थान आईटी-डे हैकथॉन में लगातार 36 घंटे तक आयोजित हुई प्रतियोगिता, युवाओं ने दिखाई प्रतिभा

RTU कोटा के 'होनहारों' को मिला 15 लाख का पुरस्कार

हिलव्यू समाचार

कोटा। राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को हाल ही में राजस्थान सरकार द्वारा नवाचार प्रयोग के लिए 15 लाख का पुरस्कार प्रदान किया गया है। सहायक जनसंपर्क अधिकारी विक्रम राठौड़ ने बताया कि राजस्थान कॉलेज जयपुर में सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग, राजस्थान सरकार की ओर से आयोजित राजस्थान आईटी-डे के अवसर पर आयोजित 36 घंटे के राजस्थान आईटी-डे हैकथॉन में देशभर के 3 हजार से ज्यादा युवाओं नें ऑनलाइन भाग लिया। इसके अलावा ऑफ लाइन हैकथॉन में 70 हजार से ज्यादा युवा शामिल हुए। उनमें से विजेता युवाओं को राजस्थान सरकार द्वारा 90 लाख की लागत के काम दिए गए। ऑफ लाइन हैकथॉन में प्रथम पुरस्कार में 25 लाख, दूसरे पुरस्कार में 20 लाख एवं तृतीय पुरस्कार विजेता टीम को 15 लाख का कार्यादेश दिया गया। कुलपति प्रो. एसके सिंह के निर्देशन हुई ऑफलाइन प्रतियोगिता में विजयी टेक्निकल यूनिवर्सिटी कोटा के छात्रों की टीम को तृतीय पुरस्कार दिया गया। विश्वविद्यालय में अध्ययनरत छात्र विजेता टीम में कृष्णकांत यादव, नकुल शर्मा, दिव्या शर्मा, नरेश, सुमन, खुशी वर्मा और दिशा चौधरी के द्वारा बनाए गए इस प्रोजेक्ट के लिए उन्हें राजस्थान सरकार द्वारा 15 लाख रुपए का पुरस्कार दिया गया है।

मानव रहित कचरा निस्तारण प्रोजेक्ट बनाया

राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय के इन विद्यार्थियों की टीम ने मानव रहित कचरा निस्तारण प्रोजेक्ट बनाया। इसमें वेस्ट मैनेजमेंट पर मॉडल के अलग-अलग टैंक बनाए गए। इसके तहत कैमरा तथा अल्ट्रा की सहायता से कचरे को विभाजित किया जाता है। छात्रों ने बताया की यदि कोटा शहर में इस मॉडल की नौ यूनिट लगाई जाए तो एक दिन में ही कचरे को निस्तारित किया जा सकता है।

उद्यमशीलता को बढ़ाता है नवाचार

कुलपति प्रो. एसके सिंह ने विजेता विद्यार्थियों की टीम को शुभकामनाएं प्रदान की। उन्होंने कहा कि नवाचार प्रयोग विद्यार्थियों की उद्यमशीलता वा रचनात्मकता को बढ़ावा देता है। प्रतिस्पर्धा के इस दौर में विद्यार्थियों को कुछ अलग हटकर करने की आवश्यकता है। कौशल विकास के साथ विद्यार्थी अपने विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता हैं।

सत्यमेव जयते
राजस्थान सरकार

RIC

राजस्थान
इंटरनेशनल सेन्टर
का
लोकार्पण

द्वारा
श्री अशोक गहलोत
माननीय मुख्यमंत्री, राजस्थान

अध्यक्षता
श्री शान्ति धारीवाल
माननीय मंत्री,
स्वायत्त शासन एवं नगरीय विकास विभाग, राजस्थान

दिनांक: 17 अप्रैल, 2023 | समय: सायं 06:00 बजे
स्थान: राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर,
ओटीएस चौराहा से झालाना लिंक रोड़, झालाना डूंगरी, जयपुर

लागत: ₹140.00 करोड़

तीन ऑडिटोरियम • तीन लेक्चर हॉल • दो कॉन्फ्रेंस हॉल • तीन एग्जीबिशन हॉल • एडमिन ब्लॉक • मेंबर्स लाउन्ज • मल्टीपर्पज हॉल
दो मंजिला बेसमेंट पार्किंग • रूफटॉप रेस्टोरेंट एवं आंतरिक रेस्टोरेंट • सामान्य लाइब्रेरी एवं ई-लाइब्रेरी • कन्वेंशन हॉल एवं फ्रंट लॉन

राजस्थान संवाद

जयपुर विकास प्राधिकरण

दख़ल

अपराध के चरम का अंत

उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में बाहुबली माफिया से नेता बने अतीक अहमद और उनके परिवार से हर कोई परिचित था। राजनीतिक चोला पहनकर उसने जिस तरह के कृत्य किए, वे न सिर्फ यूपी बल्कि पूरे देश के लिए खतरा बन गया था। माना कि किसी भी अपराधी को सजा देने का काम अदालत का है, मगर जिन तीन युवकों ने अतीक और अशरफ का काम तमाम किया वे भी कानून के चंगुल से बच नहीं सकेंगे। अतीक का अंत नजीर का काम करेगा।

जब किसी कुख्यात अपराधी और उसके कुनबे के अपराधों पर कानून के राज की व्यवस्था शून्य हो जाए, तब कुदरत उसके अंत की रचना रचती है। अतीक अहमद के अंत की कहानी यही कह रही है। ऐसे अपराधियों को जब संवैधानिक और राजनीतिक सुरक्षा कवच मिल जाए तो फिर अपराध की भूमिका उनके राजनीतिक और आर्थिक साम्राज्य के विस्तार का कारण बनते जाते हैं। यह सिलसिला तब और निष्ठुर एवं हिंसक हो जाता है, जब पुलिस तो पुलिस अदालत के न्यायाधीश भी ऐसे दुर्दांत अपराधी के मामले की सुनवाई से इंकार कर दें और राजनेता एवं राजनीतिक दल संरक्षण देने लग जाएं? इसीलिए अतीक बेखौफ होकर प्रयागराज में 24 फरवरी 2023 को उमेश पाल समेत दो पुलिसकर्मियों की सरेआम हत्या करा देता है। ये हत्यारे कानून व्यवस्था से इतने निश्चिंत रहते हैं कि चेहरे को ढकने की बजाय खुला रखते हैं, जिससे उनका खौफ कायम हो जाए कि ये हत्यारे कौन है?

झांसी में मुठभेड़ में ये हत्यारे पुलिस द्वारा मारे जाते हैं, इनमें से एक अतीक का लड़का असद और दूसरा गुलाम मोहम्मद था। चूंकि उमेश पाल की हत्या के समय इन्होंने चेहरे पर कोई आवरण नहीं डाला था, इसलिए इनकी पहचान में कोई संदेह नहीं था। उमेशपाल विधायक राजू पाल की हत्या के प्रकरण में अतीक के विरुद्ध एक वकील के रूप में निडर होकर अपने दायित्व का निर्वहन कर रहे थे। अदालत में यह पैरवी अहमदाबाद की साबरमती जेल में बंद अतीक और बरेली की जेल में बंद उसके भाई अशरफ को नागवार गुजर रही थी। नतीजतन इन दोनों ने जेल में बैठे-बैठे ही उमेश पाल की हत्या का वारंट निकाल दिया। जब न्याय व्यवस्था के संवैधानिक अंग पुलिस, न्यायालय और वकील कानून के राज को अंजाम तक पहुंचाने में असफल दिखे तो तीन युवकों ने एकाएक पत्रकार के भेष में अवतरित होकर अतीक और अशरफ का काम तमाम कर दिया। ऐसा ही कुछ होने की आशंकाएं पहले से ही जताई जा रही थीं।

मौत को प्राप्त हो चुके अतीक के अतीत का पड़ताल करने से पता चलता है कि करीब पचास साल पहले इलाहबाद के फिरोज तांगे वाले के इस बेटे ने 17 साल की उम्र में ही जयराम की हत्या कर खून की इबारत लिखना शुरू कर दी थी। चूंकि वह नाबालिग था, इसलिए बच गया। बस फिर क्या था, इस हत्या से जो दहशत कायम हुई वह रंगदारी, अवैध वसूली और जमीन व मकान हड़पने के धंधे में बदलती चली गई। जब पुलिस, कानून और अदालत उसे किसी बंधन में नहीं बांध पाए तो पांच वर्ष के भीतर ही उसका आतंक समूचे इलाहबाद और आसपास के क्षेत्र में फैलने लग गया। हालांकि इस समय चांद बाबा और उसके गुर्गों का चलावा इस इलाके में था। लेकिन देखते-देखते अतीक ने चांद बाबा के वर्चस्व को नेस्तनाबूद कर दिया। अपराध की दुनिया से शक्ति और धन-संपदा कमा ली तो अतीक ने खादी पहनकर नेता का स्वांग धारण कर लिया। परंतु अपराध से नाता नहीं तोड़ा। बल्कि खादी और समाजसेवा की ओट में हत्या, अपहरण और फिरौती का ऐसा सिलसिला चला कि उस अकेले पर 101 से ज्यादा मामले विभिन्न अदालतों में विचाराधीन हो गए। अशरफ पर भी पचास से ज्यादा एफआईआर कई थानों में दर्ज हैं।

अपराध की दुनिया में रसूख बन गया तब अतीक अहमद जेल से छूटने के बाद 1989 में इलाहबाद की पश्चिमी विधानसभा सीट से चांद बाबा के विरुद्ध निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़ा और धन व बाहुबल के बूते जीत भी हासिल कर ली। इस जीत के कुछ महीनों बाद ही चांद बाबा की हत्या हो गई। इसके बाद अतीक के आतंक का ऐसा परचम फहरा उसके विरुद्ध चुनाव लड़ने से सभी दलों के नेता कन्नी काटने लगे। 1991 और 1993 में भी वह निर्दलीय चुनाव लड़ा और जीता। समाजवादी पार्टी की वर्चस्व स्थापना के बाद अपराधियों का सपा में शामिल होने का सिलसिला शुरू हो गया। लिहाजा 1996 में अतीक चैथी मर्तबा सपा से विधायक बना। लेकिन किसी भी दल का वह सगा नहीं रहा। अतएव दल-बदल का सिलसिला चलता रहा। 2002 में एक बार फिर वह अपना दल के टिकट पर इलाहाबाद, पश्चिम विधानसभा से चुनाव जीता और 2004 में फूलपुर लोकसभा सीट से चुनाव जीतकर संसद में भी दाखिल हो गया।

निर्वाचन संबंधी संवैधानिक शिथिलताओं एवं कानूनी विकल्पों के चलते राजनीतिक वर्चस्व बढ़ा तो पहुंच भी बढ़ गई। 25 जनवरी 2005 को प्रयागराज के बसपा विधायक राजू पाल पर अतीक ने सड़क पर दौड़ा दौड़ा कर गोलियां बरसाईं। जब उसे अस्पताल ले जाया गया तो वहां इसलिए ताबड़तोड़ गोलियां बरसाईं कि कहीं राजू जिंदा न बच जाए। इस हत्याकांड की एफआईआर राजू पाल की पत्नी पूजा पाल ने अतीक और अशरफ समेत नौ लोगों की नामजद एफआईआर दर्ज कराई थी। इसी मामले की पैरवी का दुस्साहस अधिवक्ता उमेशपाल कर रहे थे। वह चश्मदीद गवाह भी थे। उमेश को धमकाने के साथ अपहरण करने की कोशिश भी की गई। लेकिन उमेश ने हिम्मत नहीं हारी और जिला अदालत से लेकर उच्च व उच्चतम न्यायालय तक मामले को ले गए। आखिरकार राजूपाल की हत्या के 12 साल बाद सर्वोच्च न्यायालय ने सीबीआई जांच के आदेश दिए। सीबीआई ने गंभीर पड़ताल के बाद अतीक, अशरफ समेत 18 लोगों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की। उमेश की निरंतर सतर्कता और न्यायालय में पैरवी के चलते इलाहबाद हाईकोर्ट ने दो माह में राजूपाल हत्याकांड की सुनवाई पूरी करने का आदेश निचली अदालत को दिया था। सुनवाई शुरू होने से पहले ही 24 फरवरी 2023 को पुलिस सुरक्षा में उमेश पाल की दिन-दहाड़े हत्या कर दी गई।

इस माफिया सरगना के तार पाकिस्तान और कई आतंकी संगठनों से जुड़े बताए जा रहे हैं। इस बाबत एटीएस और एएनआई भी अतीक से पूछताछ में लगी थी। साफ है, अतीक प्रयागराज, कोशांबी, लखनऊ, फतेहपुर, प्रतापगढ़ और नोएडा में तो आतंक का परचम फहराए हुए ही था, देश के लिए भी खतरा बन गया था। इसका पूरा कुटुंब जघन्यतम वारदातों में शामिल था। इसने 1168 करोड़ की अवैध संपत्ति बना ली थी, जिसे योगी सरकार ने इसकी मौत से पहले ही मुक्त करा लिया है। न्यायिक सिद्धांत का तकाजा तो यही है कि एक तो अपराधी को समय पर ऐसी सजा मिले, जो फरियादी को न्याय लगे लेकिन दुर्भाग्य से अतीक और उसके गिरोह को न तो समय पर सजा मिल पाई और न ही धन-संपत्ति कमाने की हवस पर अंकुश लग पाया। बल्कि इसके उलट वह पांच बार विधायक और एक बार सांसद बनकर अपराधी होने के बावजूद कानून के दायरे से बाहर रहा।

जब ऐसे लोग निर्वाचित प्रतिनिधि बन जाते हैं तो इनकी अनैतिक महत्वाकांक्षाएं परवान चढ़ने लगती हैं। ये दानदाता बनकर और अधिक भुनाने में लग जाते हैं। अतएव अपनी जाति और धर्म के गरीब लोगों की धर्म के नाम पर मदद कर फरिश्ते की श्रेणी में आ जाते हैं। ऐसे ही उपकृत लोग इनके प्रति कृतज्ञता प्रकट करते हुए इनकी जीत में निरंतर भागीदार बने रहते हैं। यह स्थिति न्याय व्यवस्था पर भरोसा करने की बजाय, उसे खूंटी पर टांग देने का काम करती है। अतीक के साथ यही हुआ और वह क्षेत्रीय खतरे के साथ पाकिस्तानी आतंकवादियों से हाथ मिलाकर राष्ट्रीय खतरे की जद में भी आता जा रहा था।

प्रमोद भार्गव
(वरिष्ठ पत्रकार)

सम्पादकीय

अतीक की हत्या ने उठाए सवाल

उमेश पाल हत्याकांड का राज उगलवाने चार दिन की पुलिस रिमांड पर लिए गए माफिया अतीक अहमद और भाई अशरफ की फिल्मी अंदाज में गोली मारकर हत्या कर दी गई। अस्पताल के गेट पर सुरक्षा घेरे में हत्या की वारदात ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं।

प्रयागराज में एक समय अतीक अहमद की इतनी दहशत थी कि वहां उसका नाम सुनकर पेड़ का पत्ता भी कांप उठता था। अपने 44 साल के आतंक के इतिहास में अतीक ने प्रयागराज से बाहर भी आतंक मचाया और चोरी, लूट, अपहरण, फिरौती, मर्डर जैसे न जाने कितने ही अपराधों के साथ उसका नाम जुड़ता चला गया। बाद में पूरा परिवार ही माफियागिरी की लाइन में उतर गया। अतीक का भाई अशरफ, बीवी शाइस्ता, दोनों बड़े बेटे उमर और अली भी उसके अपराधों में शामिल हो गए। तीसरा बेटा असद अभी अपराध का ककहरा सीख ही रहा था और दो बेटे अभी नाबालिग हैं। अतीक ने सिर्फ प्रयागराज में ही दर्जनों हत्याएं करवाई हैं। इनमें सबसे चर्चित विधायक राजू पाल की हत्या थी। आज वही हत्याकांड अतीक के कुनबे के लिए काल बन गया और अतीक परिवार के आतंक का अंत करने में प्रमुख कारण बना। जिस प्रयागराज में अतीक ने आतंक की शुरुआत की, वहीं उसक अंत भी हुआ।

हालांकि, यह एक पहलू है। अतीक का अंत अपनी जगह है और अंत की वजह अपनी जगह। किसी को सजा देने का काम अदालत का है। जिस तरह अतीक और उसके भाई को पुलिस की मौजूदगी में मारा गया, वह भी सही नहीं है। यूपी पुलिस पर हर तरफ से सवाल उठ रहे हैं और इसका जवाब भी देना होगा। आंख के बदले आंख का सिद्धांत न सिर्फ स्वीकार्य था और न कभी होगा। जैसा वीडियो में दिख रहा है, शूटरों ने पहली गोली अतीक पर दागी। अतीक मीडियाकर्मियों से बात करते हुए आगे बढ़ा ही था कि एक शूटर ने पीछे से आकर उसके सिर के पिछले हिस्से में बाईं ओर गोली दागी। इसके बाद अतीक जमीन पर गिरा। उधर गोली चलने की आवाज सुनकर अशरफ भाई को संभालने के लिए पीछे मुड़ा तो उसके चेहरे पर गोली दाग दी। इसके बाद अशरफ जमीन पर लुढ़क गया और फिर तीनों शूटरों ने दोनों पर ताबड़तोड़ गोलियां बरसाईं।

हमलावरों ने पहले दोनों पर काफी करीब से हमला किया, जिससे अतीक और अशरफ दोनों को संभलने तक का मौका नहीं मिला। लिहाजा पुलिसकर्मियों को भी संभलने का मौका नहीं मिल पाया। लेकिन हमलावरों ने उसके बाद भी फायरिंग जारी रखी, अगर तब तक भी पुलिस जवाबी कार्रवाई में गोली चलाती तो शायद दोनों की जान बच सकती थी, क्योंकि हमलावरों ने इस पूरी वारदात में ताबड़तोड़ कई राउंड फायरिंग की है। इस दोहरे हत्याकांड के पीछे शक की सूई रसूखदार सफेदपोशों की ओर घूमने लगी है। एक दिन पहले ही धूमनगंज थाने में पूछताछ में माफिया ने कई बिल्डरों और बड़े लोगों से अपने रिश्तों का खुलासा किया था। आशंका है कि राज खुलने के डर से माफिया और उसके भाई की जान ली जा सकती है। पर सवाल घटना के घटित होने को लेकर है। इस हत्याकांड के बाद यूपी सरकार पर भी खुद को बेदाग साबित करने का दबाव है। जो भी है अतीक-अशरफ की हत्या के पीछे की वजह सामने लानी होगी।

नदी संरक्षण से बना रहेगा जल

हाल ही में जल दिवस मनाया गया। जल संकट पूरी दुनिया में एक बड़ी समस्या है। जिस तरह क्लाइमेट चेंज हो रहा है उससे पूरी दुनिया में आने वाले वक्त में पानी का संकट और गहरा सकता है। जल स्रोत के रूप में नदियों की बहुत महत्ता है। आज देश की अधिकतर नदियां बहुत खराब हालात का सामना कर रही हैं। नदियां बची रहें इसके लिए जरूरी है कि हम सभी नदी की सेहत सुधारने के लिए संकलपबद्ध हो जाएं।

बहुत प्राचीन कहावत है कि जल ही जीवन है। दुनिया भर के प्राचीन गंथों में जल संरक्षण की शिक्षाओं पर जोर दिया गया है। दुनिया के तमाम ऐतिहासिक ग्रंथों में पानी के महत्व का जिक्र अनेक मर्तबा मिलता है। यही कारण है कि विश्व की संस्कृतियों मे जल के प्राकृतिक संसाधन हमेशा से पूज्य माने जाते हैं। अभी हाल ही में पूरी दुनिया ने जल दिवस मनाया। नदियां हमारी धरती पर जल का एक अहम स्रोत हैं। धरती की इकोलाजी को बेहतर व सुचारू बनाए रखने में नदियां बहुत अहम होती हैं। इतिहास में भी इस बात का वर्णन आता है कि प्राचीनतम सभ्यताओं का उद्भव व विकास विश्व में नदियों के किनारे ही हुआ है। मानव सभ्यताओं के लिए प्राथमिक संसाधन के रूप में नदियों ने भूमिकाओं का निर्वाह किया। वे न सिर्फ जल और भोजन देने वाली थीं बल्कि जल परिवहन के माध्यम के रूप में भी नदियों ने विकास को नए आयाम दिए।

इस तरह हम मानव सभ्यताओं के विकास की यात्रा में नदियों का महत्व समझ सकते हैं। सभ्यताओं के बदलते दौर में मनुष्य ने विकास की रेस में नदियों को संसाधन के रूप में देखते हुए उसके अवयवों का दोहन करना शुरू कर दिया। नतीजतन नदियों के संसाधनों के उपभोग की प्रवृत्ति बढ़ते रहने से देश की अधिकतर नदियों पर बहुत प्रतिकूल असर पड़ा है। नदियों के किनारे बसे नगरों में विकास के नाम पर तेजी से निर्माण हुए, बस्तियां और आबादी बढ़ने का सारा भार इन नदियों पर ही आया है। बहुत ही लंबे वक्त तक इन तमाम नगरों में सही तरह से नियोजन न होने से सारा कूड़ा-कचरा, गंदगी और तमाम तरह के प्रदूषक सीधे नदियों में समाते रहे हैं। परिणाम सामने हैं कि अधिकतर शहरों के आस-पास से बहने वाली नदियां बदबूदार नालों में तब्दील हो चुकी हैं। बहुत दूर क्यों देखा जाए, देश की राजधानी दिल्ली में बहने वाली यमुना नदी को ही देख लें।

दिल्ली की सीमा में प्रवेश करने से पहले ही यह नदी अपने प्राकृतिक स्वरूप में शायद ही कभी दिखती हो। सुदूर हिमालय की पहाड़ियों से अगर इसकी धाराओं को निकलते हुए किसी ने यमुना को देखा हो तो उसे समूचे एनसीआर (राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र) में पहचान नहीं सकता है। ऐसा कमोबेश हर शहर और नदी के साथ है। आज तो देश के तमाम छोटे कस्बों के इर्दगिर्द बहने वाली नदियों की भी यही करुण कथा है। अब से 3 या 4 दशक पहले के वक्त में जिन लोगों ने इन नदियों में किशोर अवस्था में खूब डुबकियां और गोते लगाना सीखा होगा वे आज इनके पास से गुजरते हुए क्या सोचते होंगे। दुखद बात है कि कस्बों के आसपास से बहने वाली छोटी-बड़ी तमाम नदियां भी खत्म हो गई हैं। हमारे देश की अधिकतर बड़ी नदियां आज बुरी तरह प्रदूषित होकर अपने अस्तित्व के लिए लड़ती हुई दम तोड़ रही हैं। गंगा, यमुना, नर्मदा, गोदावरी, साबरमती, कृष्णा व कावेरी सहित देश कई अन्य नदियों के सामने जीवन का बड़ा संकट खड़ा है।

देशभर में नदियों में बहने वाली जलराशि का 85 प्रतिशत इन कुछ बड़ी नदियों में ही प्रवाहित होता है। विकास की दौड़ में बहुत तेजी से इन नदियों में ही उद्योगों तथा नगरों की गंदगी सहित कृषि में उपयोगी कीटनाशकों, रासायनों, उर्वरकों आदि का अपशिष्ट भी जाता है। सच तो यह है कि आज ज्यादातर नदियां एक किस्म के कचराघर में तब्दील हो गई हैं। देश की प्रमुख नदियों का प्राकृतिक इकोसिस्टम खत्म होकर एक किस्म के वेस्ट यार्ड याने कूड़े के ढेर में बदल रहे हैं। कुछ वक्त पूर्व एक अध्ययन में बताया गया है कि विश्वभर में अब कुछ ही नदियां ऐसी हैं जिनमें साफ पानी बह रहा है। हमारे देश में भी नदियों की सेहत बहुत खराब है। आज अधिकतर नदियों का पानी पीने योग्य नहीं रह गया है। कुछ नदियों में तो जीव-जंतु पूरी तरह से खत्म भी हो चुके हैं। गहरे काले और बदबूदार पानी के नालों में बदली हुई इन नदियों की मछलियां खाना भी सेहत के लिए खतरनाक है। आज के इस दौर में नदियों में प्रदूषण के बारे में कई रिपोर्ट्स बताती है कि हमारे देश की अनेक प्रमुख नदियों में क्रोमियम, पारा, लेड या सीसा, कॉपर भारी प्रदूषक तत्वों की उपस्थित अनेक अपशिष्टों के माध्यम से लगातार बढ़ रही है।

इससे न सिर्फ नदियों का पानी जहरीला हो रहा है बल्कि जो भी जलीय जीव इन नदियों में रहते हैं उनकी सेहत पर भी इस प्रदूषण का गहरा असर पड़ा है। इन नदियों में रहने वाले मछली आदि जीव जब भोजन के रूप में हमारे पास आते हैं तब ये तमाम जहरीले रसायन सीधे हम तक भी पहुंच जाते हैं। नदियों की सेहत बिगड़ेगी तो समूची मानव प्रजाति पर संकट के बादल छा जाएंगे। हमारे जीवन के लिए नदियों का सेहतमंद रहना बहुत आवश्यक है। साल 2021 में, द स्टेट ऑफ क्लाइमेट सर्विसेज 2021: वॉटर नामक अपनी एक रिपोर्ट में संयुक्त राष्ट्र की मौसम विज्ञान एजेंसी ने बताया कि वैश्विक स्तर पर लगभग 3.6 अरब लोगों के पास हर साल कम से कम एक महीने की अवधि में पेयजल की किल्लत होती है। अनुमान है कि वर्ष 2050 तक दुनियाभर में पांच अरब से अधिक लोग जल संकट का सामना कर रहे होंगे। संयुक्त राष्ट्र की मौसम विज्ञान एजेंसी कई बार धरती का तापमान में आ रही तेजी के बारे में चेतावनी दी है। दरअसल जलसंकट के पीछे ग्लोबल वार्मिंग एक अहम कारक है। इसके चलते ही धरती पर लोग जल की सुलभता न होने की परेशानी का सामना कर रहे हैं। जलवायु परिवर्तन के असर नदियों के जलचक्र पर भी पड़ते दिख रहे हैं। बहुत अधिक बारिश या सूखा पड़ने से नदियों की इकोलॉजी प्रभावित हो रही है। नदियों पर पहले से ही दबाव हैं ऐसे में क्लाइमेट चेंज के परिणामों से नदियों को और भी नए किस्म की चुनौतियों से जूझना पड़ रहा है।

हम देख सकते हैं कि तमाम छोटे-बड़े शहरों और कस्बों के आसपास से बहने वाली नदियों के पानी का इस्तेमाल इनके किनारे होने वाली खेती के लिए होता है। नदियों की जलराशि का तरह से अंधाधुंध उपयोग उनमें बड़ी-बड़ी मोटर आदि डाल कर किया जाता है। नतीजा नदियों का प्राकृतिक जल प्रवाह बहुत हद तक टूट जाता है। इन दिनों तमाम बड़ी नदियों से किलोमीटरों दूर तक पाइपलाइनें बिछाकर पेजजल की आपूर्ति का प्रचलन भी बढ़ा है। इन तमाम कारणों से नदियों की सेहत दिनों-दिन बिगड़ रही है। एक और बहुत प्रमुख समस्या है जिसका शिकार लगभग सभी नदियां बनीं हैं। नदियों में होने वाला खनन उनके तंत्र को नष्ट कर रहा है। बालू रेत आदि खनिजों के लिए नदियों में होने वाले खनन उनके तटों और तलहटी को बर्बाद कर रहा है और नदियों के लिए खतरा बढ़ रहा है।

दरअसल पूरी दुनिया में हर नदी का अपना एक इकोलॉजिकल सिस्टम होता है जो सैकड़ों-हजारों सालों में बनता है। इसी सिस्टम के सहारे नदियां जीवित रहती हैं। लगातार खनन जैसी गतिविधियों से उसका जैव-पारिस्थितिक तंत्र नष्ट हो जाते हैं। सतत बढ़ते प्रदूषकों और मानवीय गतिविधियों के चलते देखते-देखते बहुत सी नदियां खत्म भी हो सकती हैं। यह जानना और समझना बहुत जरूरी है कि नदियों का जल और जीवनचक्र धरती पर मौजूद जरूरी संरचनाएं हैं। आने वाली पीढ़ियों के लिए नदियां बची रहें इसके लिए जरूरी है कि हम सभी अपने आसपास की हर छोटी-बड़ी नदी की सेहत सुधारने के लिए संकलपबद्ध हो जाएं।

संदीप भट्ट
(वरिष्ठ पत्रकार)

ट्विटर

सुप्रीम कोर्ट हत्याकांड का स्वत: संज्ञान ले। बड़े दुख की बात है कि खुले रूप से मर्डर हुए हैं, ये क्या इशारा करते हैं कि हमारी कानून व्यवस्था क्या है?

कमलनाथ, पूर्व मुख्यमंत्री

अपराध की पराकाष्ठा हो गई है, अपराधियों के हौसले बुलंद है। जब सुरक्षा घेरे में गोलीबारी करके किसी की हत्या की जा सकती है तो आम जनता की सुरक्षा का क्या।

अखिलेश यादव, सपा प्रमुख

सत्यार्थ

लड़की की चतुराई

एक गरीब आदमी राजा के पास गया और बोला-महाराज, मैं आपसे कर्ज मांगने आया हूं। कृपा कर आप मुझे पांच हजार रुपए दें। मैं पांच वर्ष के अंदर आपके रुपए वापस कर दूंगा। राजा ने उसे पांच हजार रुपए दे दिए। मगर जब उसने राजा के रुपए नहीं लौटाए तब राजा को मजबूरन उसके घर जाना पड़ा। लेकिन वहां वह व्यक्ति नहीं मिला। क दिन फिर राजा व्यक्ति के घर गया। वहां एक छोटी लड़की बैठी थी। राजा ने पूछा- तुम्हारे पिता जी कहा हैं? लड़की बोली- पिताजी स्वर्ग का पानी रोकने गए हैं। राजा ने फिर पूछा- तुम्हारा भाई कहां है? लड़की बोली- बिना झगड़ा के झगड़ा करने गए हैं। राजा फिर पूछता है- तुम्हारी मां कहां है? लड़की बोली-मां एक से दो करने गई है। राजा समझ गया कि लड़की उसकी किसी भी बात का सीधा जवाब नहीं देगी। इसलिए उसे अब इससे इन बातों का मतलब जानने प्यार से बतियाना पड़ेगा। राजा ने पूछा- बेटी, तुमने जो अभी-अभी मेरे सवालों के जवाब दिए, उनका मतलब क्या है? मैं तुम्हारी एक भी बात का मतलब नहीं समझ सका। तुम मुझे सीधे-सीधे उनका मतलब समझाओ। लड़की ने भी पूछा-अगर मैं सभी बातों का मतलब समझा दूं तो मेरे पिताजी का सारा कर्ज माफ कर देंगे। राजा ने कहा- ठीक है, मैं तुम्हारे पिताजी का सारा कर्ज माफ कर दूंगा। आप कल आएं। राजा अगले दिन फिर गया। लड़की बोली-पहले मैंने यह कहा था कि पिताजी स्वर्ग का पानी रोकने गऐ हैं, इसका मतलब था कि वर्षा हो रही थी और हमारे घर की छत से पानी टपक रहा था। पिताजी पानी रोकने के लिए छत बना रहे थे। दूसरी बात मैंने कही थी कि भइया बिना झगड़ा के झगड़ा करने गए हैं। इसका मतलब था कि वे रेंगनी के कांटे को काटने गए थे। अगर कोई भी रेंगनी के कांटे को काटेगा तो उसके शरीर में जहां-तहां कांटा गड़ ही जायेगा, यानि झगड़ा नहीं करने पर भी झगड़ा होगा और शरीर पर खरोंचें आएंगी। लड़की की चतुराई से राजा खुश हो गया और उसके पिता के पांच हजार रुपए के कर्ज को माफ कर दिया।

एक नज़र

सचिन पायलट पर बोले डोटासरा, किसने क्या मांग रखी... जानकारी नहीं

राजनीतिक नियुक्तियों में गलती सुधार के लिए बनाएंगे नए नियम

हिलव्यू समाचार

जयपुर। प्रदेश कांग्रेस में सचिन पायलट की ओर से वसुंधरा सरकार के कथित भ्रष्टाचार की जांच की मांग छेड़ने के बाद अब कांग्रेस एकजुट होने का संदेश दे रही है। मामले को लेकर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने अनभिज्ञता दिखाते हुए कांग्रेस की विचारधारा को आगे बढ़ाने की बात कही। डोटासरा ने कहा कि किसने क्या मांग रखी, किसने अनशन किया, मुझे जानकारी नहीं है। मेरे सामने किसी ने कोई मांग नहीं रखी। जो भी बात है, हम घर में बैठकर चर्चा कर लेंगे। डोटासरा ने प्रदेश कांग्रेस में राजनीतिक नियुक्तियों को लेकर गलती मानते हुए बची हुई नियुक्तियों को जल्द पूरा करने की बात कही। डोटासरा ने शनिवार को कांग्रेस ओबीसी मोर्चा के नए के प्रदेश कार्यालय का उद्घाटन करते हुए कहा कि यह सही है कि जो पॉलिटिकल नियुक्ति समय पर होनी चाहिए थी, इसमें देरी हुई है। उसको लेकर हमने सबक लिया है। इसके लिए आगे एक नियम बनाया जाएगा, जिससे कि सरकार बनने के बाद 3 से 6 महीने के अंदर सभी राजनीतिक नियुक्तियां की जा सके।

कांग्रेस का भाजपा पर सीधा निशाना

डोटासरा ने भाजपा की रीति-नीतियों को लेकर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा की सरकार में घोटाला हुआ है, इसमें कोई शक नहीं है। पिछली सरकार ने घोटाला किया, आमजन के लिए कोई काम नहीं किया। इसीलिए तो जनता ने कांग्रेस की सरकार बनाई। पायलट को लेकर गजेंद्र सिंह द्वारा दिए गए बयान को लेकर डोटासरा ने कहा कि राजस्थान से जल के मंत्री होने के बाद जनता की उम्मीदों पर खरा नहीं उतर रहे। उन्होंने कहा कि भाजपा में सबके मुख्यमंत्री बनने के सपने हैं। उन्होंने कहा कि गजेंद्र सिंह के मामले में जो भी कानूनी प्रक्रिया है, उसका पालन हो रहा है। पुलिस इस पूरे मामले की जांच कर रही है।

राहुल गांधी को भारत जोड़ो यात्रा में समझ में आया ओबीसी का महत्व

वहीं ओबीसी प्रकोष्ठ के नए कार्यालय के उद्घाटन कार्यक्रम में पंहुचे अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ओबीसी विभाग के राष्ट्रीय चेयरमैन कैप्टन अजय सिंह यादव ने ओबीसी के महत्व को लेकर कहा कि राहुल गांधी को भारत जोड़ो यात्रा में ओबीसी का महत्व समझ में आया। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने पूरे देश में भारत जोड़ो यात्रा की, तो उन्हें पता लगा की ओबीसी ऐसी ताकत है, जिसकी उपेक्षा कर कोई भी सरकार सत्ता में नहीं सकती। देश की राजनीति में राहुल गांधी का ग्राफ बढ़ा है, उससे भाजपा बौखलाई हुई है। वहीं विभाग के प्रदेश चेयरमैन हरसहाय यादव ने कहा कि पूरे प्रदेश में जिलाध्यक्ष और उनकी कार्यकारिणी, ब्लॉक अध्यक्ष और उनकी कार्यकारिणी के गठन का कार्य पूरा हो चुका है। उन्होंने कहा कि ओबीसी कार्यकर्ता सरकार की कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देने का काम करेंगे।

संविदाकर्मियों ने मुख्यमंत्री गहलोत का जताया आभार

जयपुर (हिलव्यू समाचार)। प्रदेश के विभिन्न संभागों से आए संविदाकर्मियों के प्रतिनिधिमण्डल ने शनिवार को मुख्यमंत्री आवास पर अशोक गहलोत से मुलाकात की और धन्यवाद दिया। यहां प्रतिनिधिमण्डल के सदस्यों को संबोधित करते हुए गहलोत ने कहा कि राज्य सरकार संविदाकर्मियों को शोषण से बचाने के लिए प्रतिबद्ध है। इसी क्रम में सरकार की ओर से राजस्थान कॉन्ट्रेक्चुअल सर्विसेज हायरिंग रूल्स-2022 लागू किए गए हैं। इससे संविदाकर्मियों के नियमन का मार्ग प्रशस्त हुआ है। कार्यालयों में ठेका प्रथा को समाप्त किया गया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा मानवीय दृष्टि से पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) लागू की गई है।

झालाना में राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर 140 करोड़ की लागत से हुआ तैयार

हिलव्यू समाचार

जयपुर। पिंकसिटी जयपुर में राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलनों के लिए राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर की सौगात मिलने जा रही हैं. दिल्ली के इंडिया इंटरनेशनल सेंटर और इंडिया हैबिटेट सेंटर की तर्ज पर निर्मित इस राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर का मुख्यमंत्री अशोक गहलोत लोकार्पण करेंगे.

एक ही छत के नीचे विश्व स्तर के कांफ्रेंस और सेमिनार का आयोजन किया जा सकेंगे. ओटीएस के पास सेंटर में होने वाले आयोजनों में देश-दुनिया के मेहमान उपस्थित होंगे. राजस्थान की झलक देने के लिए सेंटर को यहां के मॉन्यूमेंट्स के हिसाब से डिजाइन किया गया है.

जयपुरराइट्स के लिए खुशखबरी हैं. 10 साल में 140 करोड़ रुपए खर्च कर बनाए गए राजस्थान इंटरनेशनलल सेंटर में आधुनिक सुविधाओं के साथ राजस्थान के हैरिटेज की झलक भी देखने को मिलेगी. जयपुर के झालाना संस्थानिक क्षेत्र में दिल्ली के इंडिया इंटरनेशनल सेंटर और इंडिया हैबिटेट सेंटर की तर्ज पर बने राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर की सौगात मिलने जा रही हैं.

विश्व के बदलते परिप्रेक्ष्य में राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलनों की महत्ता, विचारों के आदान-प्रदान बडे स्तर पर आयोजन और सेमिनारों अब एक ही छत के नीचे हो सकेंगे. मुख्यमंत्री अशोक गहलोत राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर के लोकार्पण के साथ राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर की वेबसाइट और ई लाइब्रेरी की लांचिंग करेंगे. जेडीए की ओर से 7.44 हैक्टेयर भूमि पर 140 करोड़ रुपए खर्च कर इस राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर का निर्माण किया गया है.

इस प्रोजेक्ट का काम दो चरणों में हुआ हैं. जिसमें कनवेंशन हॉल, ऑडिटोरियम, मिनी ऑडिटोरियम, मल्टीपर्पज हॉल, बोर्ड मीटिंग हॉल, कांफ्रेंस हॉल, लाइब्रेरी और ई-लाइब्रेरी, लैक्चर हॉल, एग्जीबिशन एरिया, रेस्टारेंट सहित डबल बेसमेंट पार्किंग विकसित की गई हैं.

राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में राजस्थान की झलक देने के लिए सेंटर को यहां के मॉन्यूमेंट्स के हिसाब से डिजाइन किया गया है.ऑडिटोरियम की दीवारें जैसलमेर की पटवाओं की हवेली की बनी जाली पर आधारित हैं. कन्वेंशन हॉल और प्री-फंक्शन एरिया में सिटी पैलेस के झरोखे, हवामहल की खिड़कियों की झलक देखने को मिलेगी.

मिनी ऑडिटोरियम को मारवाड़ पैटर्न के अनुसार बनाया गया है. कांफ्रेंस हॉल को जोधपुर के मंडोर उद्यान में पुरातन कला के मेहराब व स्मारक पर आधारित है. एजुकेशनल आयोजनों के साथ इ-लाइब्रेरी की सुविधा, मेंबर्स को देश दुनिया की किताबें ऑनलाइन और ऑफलाइन मिलेंगी. आरआईसी में लेक्चर होंगे. लेक्चर रूम तैयार किए गए हैं. सेंटर में रेस्टोरेंट्स का निर्माण किया गया है. सेंटर के लिए 240 वाहनों की क्षमता की डबल बेसमेंट पार्किंग विकसित की गई है.

जयपुर विकास प्राधिकरण के आयुक्त रवि जैन ने बताया की प्रदेश की पिछली अशोक गहलोत सरकार के समय 19 अप्रेल 2013 को राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर का शिलान्यास किया गया था. इसके बाद आई सरकार बदली तो सेंटर का काम कुछ खास गति नहीं पकड़ पाया. मौजूदा सरकार के समय सेंटर के निर्माण कार्य ने दोबारा जोर पकड़ा हैं और अब इसकी इनोग्रेशन के साथ इसमें आयोजन हो सकेंगे.

रवि जैन ने बताया की भवन के बाहरी क्षेत्र में तीन लैंडस्कैप गार्डन, खूबसूरत फुलवारियां, और पेड-पौधे के साथ विकसित किए गए हैं. इसमें जगह-जगह विभिन्न मुर्तियों, स्तंभों और फाउंटेन से भवन की खूबसूरती निखारा जा सकेगा.उन्होंने बताया की बाहर से आने वाले आगंतुकों के लिए 44 कमरों के गेस्ट हाउस का निर्माण भी होगा. छह अक्टूबर 2022 को सीएम ने इसका शिलान्यास किया था. 1 करोड़ रुपए से ये काम हो रहा है.

फरवरी, 2024 तक इस काम को पूरा किया जाएगा. जेडीए अभियांत्रिकी निदेशक देवेन्द्र गुप्ता ने बताया कि भविष्य में राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर के अंदर कल्चरल, आर्ट एवं अन्य गतिविधियां संचालित होती दिखाई देंगी. यह सेंटर जयपुर शहर का इंटेक्ट्यूअल हैपनिंग प्लेज साबित होगा, जहां जीवंत वातावरण दिखाई देगा.

- 10 साल में 140 करोड़ खर्च, अब मिलेगी राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर की सौगात
- एक ही छत के नीचे विश्व स्तर के कांफ्रेंस-सेमिनार का आयोजन हो सकेंगे
- झालाना में 140 करोड की लागत से तैयार हुआ हैं राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर
- दिल्ली स्थित इंडिया इंटरनेशनल सेंटर-इंडिया हैबिटेट सेंटर की तर्ज पर तैयार
- आज शाम 6 बजे को CM अशोक गहलोत करेंगे लोकार्पण, यूडीएच मंत्री शांति धारीवाल करेंगे कार्यक्रम की अध्यक्षता
- RIC भवन, लाइब्रेरी और प्रदर्शनी का करेंगे अवलोकन, RIC की वेबसाइट और ई-लाइब्रेरी की लॉन्चिंग

राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर एक नज़र

1. राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर के लोअर ग्राउण्ड फ्लोर में ये सुविधांए

राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर के लोअर ग्राउंड फ्लोर पर एग्जीबिशन हॉल, रेस्टोरेंट और सेंट्रल लॉबी तैयार की गई हैं. ब्लॉक-एक और ब्लॉक-सी में 1370 वर्गमीटर में और 970 वर्गमीटर क्षेत्रफल में दो अलग-अलग एक्जीबिशन हॉल बनाए गए हैं. ब्लॉक सी में आधुनिक इंटीरियर की तर्ज पर 125 व्यक्तियों की क्षमता का रेस्टोरेंट तैयार किया गया हैं. आगंतुक पोर्च से यहां सेन्ट्रल लॉबी में प्रवेश करेंगे. यहां दायीं और रिसेप्शन काउंटर और बायीं तरफ लिफ्ट्स हैं.

2. क्या होगा राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर का ग्राउंड फ्लोर पर देखिए

कंन्वेंशन हॉल- ब्लॉक ए में 500 व्यक्तियों की क्षमता का कन्वेंशन हॉल विकसित किया गया हैं. इस हॉल का इंटिनियर जयपुर के सिटी पैलेस के पैटर्न पर किया गया हैं. कॉर्पेट और फर्नीचर से सजा हुआ यह हॉल ब्लॉक-ए के कनवेंशन गार्ड से भी जुडा हुआ हैं. ब्लॉक-ए के प्री फंक्शन हॉल में हवामहल म्युरल और शेष दीवारों पर जयपुर किले के पैटर्न पर इंटिनियर शामिल किया गया हैं. ए-ब्लॉक के पोर्च में बांयर और श्रीगणेशजी प्रतिमा रिद्धि-सिद्धि के साथ स्थापित हैं. दांयी तरफ सुंदर चित्रकारी की गई हैं जिसमें नाथद्धारा की टेराकोटा टाइल्स राजस्थान की आदिवासी संस्कृति को दर्शाया गया हैं. इसी तरह इसी फ्लोर में ब्लॉक बी में सेंट्रल लॉबी से सभी तलों के कॉरिडोर को निहारा जा सकता हैं. सेंट्रल लॉबी के सामने बने रिसेप्शन काउंटर के दोनों तरफ दीवारों पर ग्लास-ठिकरी वर्क एवं गोल्ड लिफिंग वर्क की कारीगरी को उकेरा गया हैं. इसी फ्लोर पर ब्लॉक-सी में 650 लोगों की क्षमता का आधुनिक तकनीक से बना मुख्य सभागार है. इसकी दीवारें झरोखों व मेहराबों के पैटर्न पर बनाई गई हैं.मुख्य सभागार से जुड़ा प्री फंक्शन हॉल में तीन दीवारों पर जैसलमेर किले के महलों, महराबों के पैटर्न पर इंटीरियर वर्क किया गया है.जबकि एक दीवार पर जैसलमेर पत्थर की हवेलियों के पैटर्न पर इंटीरियर किया गया है.

3. राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर के फर्स्ट फ्लोर में ये सुविधाएं

सेंटर के फर्स्ट फ्लोर पर मिनी ऑडिटोरियम, मल्टीपर्पज हॉल, प्रशासनिक ब्लॉक और कांफ्रेंस हॉल बनाया गया हैं. मिनी ऑडटोरियम में ब्लॉक-ए में दो आधुनिक सुविधाओं से लैस मिली ऑडिटोरियम बनाए गए हैं. जिनकी क्षमता 172 व्यक्ति प्रति ऑडिटोरियम हैं. यहां स्टेज पर एलईडी डिस्प्ले, प्रोजेक्टर, स्टेज लाईटिंग की व्यवस्था की गई हैं. इसी तरह मल्टीपर्पज हॉल ब्लॉक-ए में मेहराबों व बड़ी-बड़ी खिड़कियों से आती प्राकृतिक रोशनी से भरा 200 व्यक्तियों के बैठने की क्षमता का हॉल तैयार किया गया हैं. इसके पास ही प्री-फंक्शन हॉल है जिसकी दीवारों पर किले की प्राचीर के अंदर हो रहे राजस्थानी विवाह की खूबसूरत झांकी को मारवाडी चित्रशैली में चित्रित कर निखारा गया हैं. सुंदर मेहराबों के बीच उदयपुर की झीलों और महलों की झांकिया को उकेरा गया हैं. ब्लॉक बी में प्रशासनिक ब्लॉक में 50 व्यक्तियों की क्षमता का बोर्ड रूम बनाया गया है. ब्लॉक सी में दो कांफ्रेंस हॉल में जो की 110 और 90 व्यक्तियों की क्षमता के हैं.

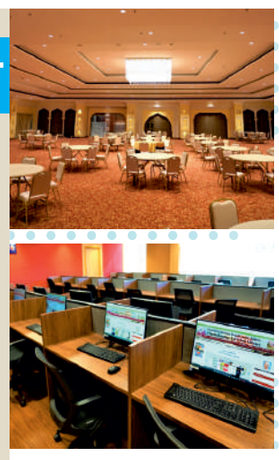

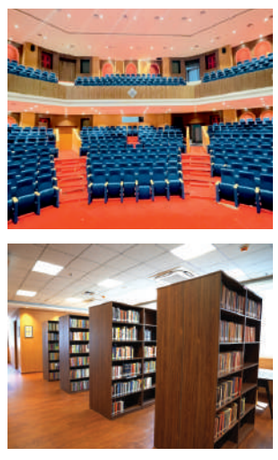

4. राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर के सैकंड फ्लोर में ये सुविधाएं

सेंटर के सैकंड फ्लोर पर लाइब्रेरी, लैक्चर हॉल, मेंबर्स लाउज, रेस्टारेंट, किचन तैयार किए गए हैं. लाइब्रेरी में 100 व्यक्तियों की बैठने की क्षमता हैं. इसमें एक लाइब्रेरियन रूम, रिसेप्शन एरिया, स्टोर रूम और 60 लोगों की क्षमता का रिडिंग एरिया बनाया गया हैं. वर्क स्टेशन 20 डेस्कटॉप से युक्त अत्यंत आधुनिक ई लाइब्रेरी भी विकसित की गई हैं. लाइब्रेरी में करीब 2500 किताबें पढने के लिए मिलेंगी. इसी तरह बी-ब्लॉक में 51-51 व्यक्तियों की क्षमता के तीन लैक्चर हॉल निर्मित किए गए हैं. प्रत्येक लेक्चर हॉल में स्मार्ट इंटरेक्टिव डिस्पले पैनल लगाए गए हैं. ब्लॉक सी में सेंटर के सदस्यों के लिए मेम्बर्स लाउंज के तौर पर हॉल विकसित किया गया हैं. जिसमें टीवी, वाईफाई सुविधाओं से लैस हैं. इसी तरह ब्लॉक ए में 156 व्यक्तियों की क्षमता का ओपन टैरेस रेस्टोरेंट भी विकसित किया गया है। चारों ओर बिजली के हैरिटेज पोल के साथ बाहरी रोशनी की भी व्यवस्था की गई है. बहरहाल, राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में आधुनिकता के साथ राजस्थान के हैरिटेज को जीवंत किया गया है.कनवेंशन हॉल को सिटी पैलेस की थीम पर तैयार किया गया है और इसके प्रवेशद्वार को हवामहल का लुक दिया गया है. जिसे सीमेंट से तैयार किया गया है. ऑडिटोरियम की पहली मंजिल के प्रवेशद्वार को जैसलमेर की छतरी का लुक दिया गया है. जबकि दूसरी मंजिल प्रवेशद्वार को जोधपुर की छतरी का आकार दिया गया है. इन्हें पत्थरों से तैयार किया गया है. इस सेंटर में जगह-जगह चित्रकारी करने के साथ मूर्तियां लगाई गई है.

ट्रांसफर पॉलिसी में देरी सरकार की कमज़ोरी, जल्द होगी तैयार

हिलव्यू समाचार

जयुर। प्रदेश में थर्ड ग्रेड तबादलों को लेकर बीते पांच वर्ष से चल रही राड चुनावी साल में खत्म होगी। चुनावों से पहले तबादले करने के लिए पीसीसी अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और शिक्षा मंत्री के सामने बात रखते हुए समय पर तबादले नहीं करने पर चुनावों में कपडे फाड़ने की बात कही। जिस पर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने तबादलों के लिए जल्द पॉलिसी तैयार कर तबादले करने का आश्वासन दिया। दरअसल रविवार कोराजस्थान शिक्षा सेवा प्राध्यापक संघ, राजस्थान शिक्षा सेवा परिषद द्वारा आयोजित सत्कार समारोह में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, पीसीसी अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा और शिक्षा मंत्री डॉ बीडी कल्ला शामिल हुए। इस दौरान मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने ट्रांसफर पॉलिसी पर कहा कि ये उनकी सरकार की कमजोरी रही है, लेकिन जल्द ही इसे भी तैयार कर लिया जाएगा। ताकि भविष्य में किसी को परेशानी न हो। वहीं सीएम ने कहा कि अगर कोई शिक्षक किसी दलाल के पास ट्रांसफर के लिए गया तो उसके तबादले को कैंसिल कर दिया जाएगाइसके साथ ही सीएम ने प्रदेश को 2030 तक देश का नंबर वन राज्य बनाने में सहयोग करने की भी अपील की।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने केंद्र की भाजपा सरकार सहित पीएम मोदी और गृहमंत्री अमित शाह को आड़े हाथों लेते हुए कहा किप्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह ने पूरे देश में एक नया मॉडल बनाया है। हॉर्स ट्रेडिंग करके सरकार गिराओ और अपनी सरकार बना लो। इनके पास कोई काम नहीं है, इसलिए चुनाव प्रचार के लिए हमेशा देश भर में घूमते रहते हैं।

सीएम ने सही टाइम पर हटाया मंत्रिपद से: डोटासरा

प्रदेश अध्यक्ष डोटासरा ने उनके शिक्षा मंत्री रहते हुए किए गए कार्यों को गिनाया। एक काम थर्ड ग्रेड भर्ती से पहले तबादलें किए जाएं, वरना 13 जिलों में एक भी नहीं आएगा। उन्होंने कहा कि चुनाव का समय शिक्षा मंत्री के कपड़े फाड़ने का समय होता है। अच्छा रहा कि उन्हें सीएम ने समय रहते शिक्षा मंत्री से हटा दिया। वहीं इस दौरान शिक्षा मंत्री डॉ. बी.डी. कल्ला ने कहा कि आगामी दिनों में शिक्षा विभाग में एक लाख पद भरे जाएंगे।

ओपीएस की लड़ाई के लिए सुप्रीम कोर्ट जाएंगे

केंद्र सरकार के पास अटके कर्मचारियों के एनपीएस के फंड देने की मांग करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि हिमाचल प्रदेश के पूर्व सीएम ने पीएम को कहा था कि राजस्थान के सीएम ने ओपीएस लागू किया है, उस वक्त उन्होंने ध्यान नहीं दिया। जिसका नतीजा उन्होंने भुगता, हिमाचल में सरकार चली गई। उन्होंने पीएम मोदी से अपील की, कि पूरे देश में ओल्ड पेंशन स्कीम को लागू किया जाए। सीएम ने कहा कि केंद्र जो पैसा लेकर बैठी है, उसमें राजस्थान सरकार का भी है और कर्मचारियों का भी पैसा है। अगर वो पैसा वापस नहीं देंगे तो हम सुप्रीम कोर्ट जाएंगे।

राजस्थान में चुनाव से पहले अहीर समाज का शक्ति प्रदर्शन, इन मांगों ने बढ़ाया प्रदेश का सियासी पारा

हिलव्यू समाचार

जयपुर। राजस्थान के जयपुर में आज अहीर जनजागृति सम्मेलन हुआ। इस सम्मलेन में भाग लेने के लिए देशभर के नेता सहित समाज के लोग एकजुट हुए हैं। अहीर जन जागृति सम्मेलन के संयोजक इंद्र यादव ने कहा- वीर अहीर रेजिमेंट हमारा हक है। यदि सरकार हमारी मांगे नहीं मानती है तो पूरा समाज पटरी और सड़कों पर नजर आएगा। सरकार हमें गुर्जर और मीणा समाज से कम ना समझे। यादव कौम की मांग बिल्कुल जायज है। बता दें कि अहीर समाज काफी समय से अहीर रेजिमेंट बनाने की मांग करता आ रहा है। अहीर समाज के देश प्रदेश के नेता और प्रबुद्ध जन समाज को एक जगह लाकर विचार-विमर्श कर सरकार के सामने अपनी बात रखेंगे।

चुनावी साल में लगातार हो रहे आयोजनः राजस्थान में जैसे जैसे विधानसभा चुनाव नजदीक आ रहा है। वैसे ही हर समाज अपने उचित प्रतिनिधित्व एवं ताकत दिखाने के उद्देश्य से ऐसे आयोजन करते आ रहे है। हाल ही में ब्राह्मण समाज द्वारा ब्राह्मण महासभा, राजपूत एवं सवर्ण समाज द्वारा केसरिया महापंचायत एवं एससीएसटी महापंचायत के माध्यम से अपने समाज की मांगों को राजनितिक पार्टियों के समक्ष रख रहे है। ऐसे में आज अहीर समाज द्वारा अहीर जन जागृति सम्मेलन किया जा रहा है।

अहीर समाज की मांगेः राष्ट्र रक्षा के बलिदान हेतु भारतीय सेना में अहीर रेजीमेंट का गठन हो।समाज के उचित प्रतिनिधित्व मिले।मान सम्मान स्वाभिमान एवं समाज के समग्र विकास हेतु श्री कृष्ण बोर्ड (अहीर विकास बोर्ड) का गठन।1857 की क्रांति के महानायक अमर शहीद राजाराव तुलाराम के शहीदी दिवस 23 सितंबर को राजस्थान सरकार द्वारा सार्वजनिक अवकाश की घोषणा की जाए। राजस्थान की राजधानी जयपुर के मुख्य मार्ग " न्यू सांगानेर रोड " को रेजांगला का नामकरण एवम रेजांगला स्मारक का निर्माण किया जाए।

एक नज़र

संविदा नर्सेज को कैडर में शामिल करने की मांग

हिलव्यू समाचार

जयपुर। राजस्थान संविदा नर्सेज संघर्ष समिति की बैठक रविवार को एसएमएस मेडिकल कॉलेज परिसर में हुई। समिति के प्रदेश संयोजक अभिषेक शर्मा ने बताया की एसएमएस से संलग्न चिकित्सालयों में कार्यरत नर्सिंग ऑफिसर की सैलरी बढ़ाने और संविदा कैंडर में शामिल करने सहित अन्य मांगों को लेकर चर्चा हुई। वहीं, मांगों को लेकर आंदोलन की आगामी रूपरेखा भी तैयार की गई। इस दौरान समिति की कार्यकारणी का गठन भी सर्वसम्मति से किया गया। कार्यकारणी में सह-संयोजक गौरव यादव, दिनेश महावर, सुमन डेलू, अर्पित चौरसीया, संयोजक रेखा गुर्जर, बलराम मीना, पंकज सैन,आशीष चौपड़ा को बनाया गया।

सूदखोर से परेशान होकर सफाईकर्मी ने किया सुसाइड

हिलव्यू समाचार

जयपुर। नाहरगढ़ थाना इलाके में सूदखोर से परेशान होकर निगम कर्मचारी के सुसाइड करने का मामला सामना आया है। इस संबंध में मृतक सुभाष निवासी पुरानी बस्ती की पत्नी मीनू देवी ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है कि सुभाष सफाई कर्मचारी था। ताराचंद नाम के व्यक्ति ने दो लाख रुपए उसे अलग-अलग बैंको से दिलाए थे। उसने एटीएम व बैंक पासबुक खुद पास रख ली और सुभाष का वेतन भी खुद निकालता था। लोन के रुपयों पर वह मासिक 40 हजार रुपए ब्याज लेता था। परेशान होकर सुभाष ने तीन अप्रैल को सुसाइड कर लिया। थानाप्रभारी देवेन्द्र कुमार ने बताया कि मामले की जांच जा रही है। हाल ही में कोतवाली थाना इलाके में भी ऐसे ही एक व्यापारी ने आत्महत्या कर ली थी। इस संबंध में बाबा हरिशचंद्र मार्ग निवासी राजेश कुमार की पत्नी मंजू ने सुनील तिवाड़ी, सुरेन्द्र कुमार गुप्ता, राकेश खंडेलवाल, राज कुमार अग्रवाल, सतीश चन्द्र अग्रवाल, नीलम अग्रवाल, कमल मोदी, नीरज जैन, नेमीचंद शर्मा, शंकर लाल गुप्ता, रितेश मामोडिया, शिव शंकर उर्फ सुमित मोदी, नेमी चंद सर्राफ, प्रहलाद राय, सरिता जाखड़ व नीतू कुमारी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवाई थी।

जयपुर में फिर छाएगा आईपीएल का रोमांच

हिलव्यू समाचार

जयपुर। तीन सीजन बाद राजस्थान में आईपीएल की वापसी हो रही है। जयपुर के एसएमएस स्टेडियम में 19 अप्रैल को राजस्थान रॉयल्स और लखनऊ सुपर जायंट्सके बीच होने वाले मैच के साथ राजस्थान में आईपीएल की वापसी होगी।

जयपुर में आईपीएल के पांच मैच होंगे। जिसको लेकर दर्शकों और आयोजकों में खासा उत्साह है। जयपुर में होने वाले मैच को लेकर रविवार को एसएमएस स्टेडियम में ऑर्गेनाइजिंग कमेटी की बैठक हुई। जिसमें पुलिस प्रशासन, निगम प्रशासन और क्रिकेट मैच ऑर्गेनाइजर शामिल हुए। बैठक में मैच के दौरान सुरक्षा और सफाई व्यवस्था जैसे विषयों पर गहनता से मंथन करते हुए रूपरेखा तैयार की गई। इस दौरान

आरसीए अध्यक्ष वैभव गहलोत ने ग्रेटर महापौर सौम्या गुर्जर, हेरिटेज महापौर मुनेश गुर्जर, आरसीए सलाहकार डॉ जीएस संधू और आरसीए के पदाधिकारियों के साथ ग्राउंड का निरीक्षण भी किया। आरसीए अध्यक्ष वैभव गहलोत ने बताया कि मैच आयोजित कराने में योगदान देने वाली अलग-अलग एजेंसियों के बीच सामंजस्य स्थापित करने के लिए ऑर्गेनाइजिंग कमेटी की मीटिंग हुई। पुलिस प्रशासन, नगर निगम प्रशासन, बीसीसीआई, आरसीए की टीम के मिले-जुले प्रयास से आईपीएल का आयोजन कराया जाएगा। आईपीएल मुकाबला देखने के लिए राज्यपाल कलराज मिश्र, मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सी.पी. जोशी, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा और पूर्व सीएम वसुंधरा राजे को भी न्योता दिया गया है।

केवलचन्द गुलेच्छा के नेतृत्व में CM गहलोत से मिले पाली के उद्योगपति

हिलव्यू समाचार

जयपुर। बजट घोषणाओं में मिली सौगातों और नए जिलों की घोषणा को लेकर प्रदेशभर से कई लोग रविवार को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का आभार व्यक्त करने जयपुर सीएमआर में पहुंचे। सरकारी कार्मिकों से लेकर उद्योगपतियों और जिलों से आए प्रतिनिधिमंडलों ने सीएम से मुलाकात की। बजट घोषणा में टेक्सटाइल इंडस्ट्रीज को मिली सौगातों और पाली को संभाग बनाए जाने को लेकर उद्योगपति मुख्यमंत्री से मिले। पाली टेक्सटाइल इंडस्ट्रीज से जुड़े करीब 700 उद्यमियों की तरफ से धन्यवाद देने के लिए एक प्रतिनिधिमंडल केवलचन्द गुलेच्छा के नेतृत्व में सीएमआर पहुंचा। राजस्थान स्वायत्त शासन संस्था के अध्यक्ष गुलेच्छा ने कहा कि बिना मांगे ही पाली को कई सौगातें दी गई हैं। इनमें टेक्सटाइल इंडस्ट्रीज, सीईटीपी स्कीम में 75 करोड़ सब्सिडी, जमीनों के नियमितिकरण, लंबित विसंगतियों के निराकरण से टेक्सटाइल उद्योग विकास के नए आयामों को छूने को तैयार है।

RU पेपर लीक मामला

तीन प्राइवेट वीक्षक को किया गिरफ्तार

हिलव्यू समाचार

जयपुर। राजस्थान विश्वविद्यालय का पेपर सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने तुरंत एक्शन लेते हुए 3 वीक्षकों बाबू मंजीत सिंह रैगर कालाडेरा, विक्रम कुमार रैगर नृसिंहपुरा, जितेन्द्र कुमार बलाई खन्नीपुरा को गिरफ्तार किया है। जयपुर ग्रामीण जिले के कालाडेरा थाना पुलिस ने मामले का खुलासा किया है। जयपुर ग्रामीण एसपी डॉ. राजीव पचार ने बताया कि कालाडेरा के सेठ आरएल सहरिया कॉलेज से शनिवार को बीए प्रथम वर्ष के भूगोल विषय का पेपर परीक्षा से पहले ही इन तीनों प्राइवेट वीक्षकों ने सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया था। इसके बाद कॉलेज प्रशासन से एसोसिएट प्रोफेसर रजनी मीणा ने मामले को लेकर थाने में एफआईआर दर्ज करवाई था।

पांच एटीम कार्ड व 3.5 लाख रुपए बरामद

हनीट्रैप में फंसाकर लोगों को ठगने वाले बदमाश को धरदबोचा

हिलव्यू समाचार

दौसा। बांदीकुई थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई को अंजाम देते हुए हनीट्रैप में फंसाकर लोगों से लाखों रुपए की ठगी करने के आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से पुलिस ने पांच एटीम कार्ड व 3.5 लाख रुपए बरामद किए हैं।

बांदीकुई थाना अधिकारी नरेश शर्मा ने बताया कि रात्रि गश्त के दौरान लगभग 12 बजे सिकंदरा रोड स्थित एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक के सामने एक व्यक्ति संदिग्ध अवस्था में खड़ा दिखाई दिया। पुलिस कार्रवाई करती उससे पहले ही वह भागने लगा, लेकिन पुलिस ने उसे दबोच लिया। पुलिस की पूछताछ में पहले तो आरोपी ने अपना नाम पता ही गलत बताकर गुमराह करने का प्रयास किया, लेकिन सख्ती दिखाने पर उसने सारा राज उगल दिया। गिरफ्तार ठग पूरण सिंह मीणा (23) पुत्र धर्म सिंह मीणा निवासी गढ़ हिम्मत सिंह थाना मंडावर जिला दौसा का रहने वाला है। वह अब तक कई वारदातों को अंजाम दे चुका है। आरोपी के पास से 5 अलग-अलग नामों के एटीएम कार्ड, एक आईफोन, भीम यूपीआई क्यू आर कोड स्कैनर के साथ 3.5 लाख रुपए की नकदी बरामद हुई। अपराधी पूरण सिंह के पकड़ में आने के बाद अब आरोपी से बड़े खुलासे होने की उम्मीद है।

वीडियो कॉल रिकॉर्डिंग से ब्लैकमेलिंग

ठग व्हाट्सएप पर महिला की फोटो की डीपी लगा कर लोगों को हाय हेलो का मैसेज भेजते थे और टू-कॉलर पर नाम भी लड़की का ही आता था। फिर धीरे-धीरे चैट करते हुए वीडियो कॉलिंग कर अश्लील प्रदर्शन करते थे। इस दौरान आरोपी सामने वाले की वीडियो रिकॉर्डिंग कर लेते थे। इसके बाद ब्लैकमेलिंग का खेल शुरू होता था। आरोपी रिकॉर्डिंग वायरल करने के नाम पर मोटी राशि की डिमांड करते थे, जिस पर लोग अपनी इज्जत बचाने के चक्कर में डरते हुए साइबर ठगों को मांगी हुई राशि देने को तैयार हो जाते थे। इस तरह से आदमी ठगी का शिकार हो जाता था।

धमाकेदार एक्शन में नज़र आएंगी कंगना

बॉलीवुड एक्ट्रेस कंगना रनौत दमदार एक्टिंग और बेबाक बोल के लिए जानी जाती हैं. उन्होंने रानी लक्ष्मीबाई, जे. जयललिता जैसे किरदारों को जीवंत करने के साथ ही विविधतापूर्ण अभिनय से दर्शकों को प्रभावित किया है. अब पर्दे पर एक बार फिर कंगना का दमदार एक्शन अवतार देखने को मिलेगा. कंगना ने पसंदीदा निर्देशक के साथ अगली फिल्म साइन कर ली है. इस फिल्म में कंगना का गजब का ट्रांसफॉर्मेशन देखने को मिलेगा.

फिल्म में दिखेगा ट्रांसफॉर्मेशन

कंगना ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर कई पिक्चर्स शेयर की हैं, जिसमें 'कृष 3' की फोटो भी शेयर की है. कंगना ने लिखा है- 'एक और एक्शन फिल्म, एक और ट्रांसफॉर्मेशन जल्द ही मेरे फेवरेट डायरेक्टर के साथ घोषणा करूंगी.' ये कगंना रनौत की दूसरी एक्शन फिल्म होगी. इससे पहले साल 2022 में फिल्म 'धाकड़' में कंगना का एक्शन अंदाज देखने को मिला था. कंगना इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म इमरजेंसी में बिजी हैं. इस फिल्म में कंगना पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का रोल प्ले कर रही हैं.

सलमान से टकराएगा 'जग्गू भाई'

ईद के मौके पर रिलीज हो रही 'किसी का भाई किसी की जान' में सलमान खान का अलग अंदाज दिखाई देगा. फिल्म थाला अजीत कुमार की साउथ मूवी 'वीरम' से इंस्पायर है. फिल्म के ट्रेलर रिलीज होने के साथ ही इसकी चर्चा शुरू हो गई है. ट्रेलर में सलमान जिस विलेन के साथ लड़ते दिखाई दे रहे हैं, वे साउथ के फेमस कलाकार जगपति बाबू हैं.

सेकंड इनिंग बेजोड़

साल 1989 में तेलुगू मूवी 'सिम्हा स्वप्नम' से जगपति ने डेब्यू किया था. साल 2000 तक उन्होंने कई तरह की फिल्में कीं और काफी नाम भी कमाया. साल 2014 से अपने करिअर को रिफ्रेश किया और लीक से हटकर किरदार निभाने शुरू किए. जगपति ने साइड रोल और नेगेटिव किरदार चुने, जिसे लेकर सभी आश्चर्यचकित रह गए. लेकिन इसका उन्हें काफी फायदा हुआ और फिल्मी दुनिया में उनकी सेकंड पारी काफी सफल साबित हुई.

'लीजेंड' में पहली बार निगेटिव रोल

साल 2014 में जगपति ने पहली बार फिल्म 'लीजेंड' में नकारात्मक भूमिका निभाई, जिसमें उनके डॉन 'जितेंद्र' के किरदार को काफी प्रशंसा मिली. इसके बाद वे रजनीकांत की फिल्म 'लिंगा' में नजर आए. नकारात्मक किरदारों के साथ ही उन्होंने पॉजिटव साइड रोल भी निभाए और हर बार उन्हें तारीफ मिली. फैंस उन्हें 'जग्गू भाई', 'प्राइम स्टार' और 'जेबी' नाम से पुकारते हैं.

2 से 4 करोड़ रुपये लेते हैं फीस

खबरों की मानें तो साउथ के फेमस विलेन बन चुके जेबी एक फिल्म के लिए 2 से 4 करोड़ रुपये फीस लेते हैं. अब जल्द ही सलमान खान के साथ 'किसी का भाई किसी की जान' में उनका जलवा देखने को मिलेगा.

सामंथा ने किया था फिगर पर काम

फिल्म 'शाकुंतलम' के निर्देशक गुणशेखर तेलुगू सिनेमा में अपने हिट फिल्मों के लिए जाने जाते हैं. उन्होंने 'रामायणम' फिल्म के लिए सर्वश्रेष्ठ बाल फिल्म का राष्ट्रीय पुरस्कार भी जीता है. वह रोमांस, पौराणिक और ऐतिहासिक नाटक से लेकर विभिन्न शैलियों पर फिल्में बनाते हैं. अपनी नई फिल्म 'शाकुंतलम' का प्रचार करते हुए उन्होंने सामंथा रुथ प्रभु से जुड़े एक राज का खुलासा किया है. फिल्म निर्माता ने बताया कि जब फिल्म की शूटिंग चल रही थी तो उन्होंने सामंथा से अपने फिगर पर काम करने के लिए कहा था.

आसान नहीं था शकुंतला का किरदार निभाना

गुणशेखर ने कहा, 'सामंथा ने मेरे पहले बात करने पर ना नहीं कहा, लेकिन उन्होंने कुछ समय मांगा, क्योंकि वह अस्वस्थ थीं. मैंने कुछ चीजें दिखाईं कि फिल्म कैसी दिखेगी और उन्हें ये पसंद आई. मैंने सामंथा को अपने फिगर पर फिर से काम करने के लिए कहा, क्योंकि उनके एब्स या बाइसेप्स 'शकुंतला' के कोमल रूप की तरह होने चाहिए थे, इसलिए अपने लुक पर काम करने के लिए उन्होंने कुछ समय मांगा. मेरे पास 'शाकुंतलम' के लिए कोई प्लान-बी अभिनेत्री नहीं थी. पहले दिन से ही सामंथा ही थीं, जिन्हें मैं इस फिल्म में देखना चाहता था. हालांकि, वह एक अल्ट्रा फैशन सेंस वाली एक आधुनिक लड़की हैं, लेकिन उन्होंने इस भूमिका पर बहुत काम किया. उनका किरदार बहुत लोगों से जुड़ेगा. हमने उन्हें हैदराबाद सेंट्रल यूनिवर्सिटी के एक्टिंग प्रोफेसर से उनकी भूमिका के लिए कुछ विशेष प्रशिक्षण दिलवाए थे.' फिल्म 'शाकुंतलम' कालिदास के नाटक 'शकुंतला' पर आधारित है, जो एक पौराणिक महाकाव्य कथा है. फिल्म में सामंथा के साथ देव मोहन मुख्य भूमिका में हैं. साथ ही फिल्म में साउथ सुपरस्टार अल्लू अर्जुन की बेटी अल्लू अरहा 'भरत' के रूप में नजर आईं. अरहा ने इस फिल्म के जरिए अपने अभिनय करिअर की शुरुआत की. फिल्म में मोहन बाबू, अदिति बालन, प्रकाश राज, गौतमी, मधु, जिशु, सेनगुप्ता और कबीर बेदी जैसे कई मुख्य कलाकार हैं.

विशाल की सीरीज में काम करेंगी लारा

अभिनेत्री लारा दत्ता को पिछली बार 'बेल बॉटम' और वेब सीरीज 'हिकप्स एंड हुकअप्स' में देखा गया था. जल्द ही लारा दत्ता विशाल भारद्वाज की आगामी वेब सीरीज 'चार्ली चोपड़ा एंड द मिस्ट्री ऑफ सोलंग वैली' में काम करेंगी. लारा इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बनकर रोमांचित हैं. उन्होंने हाल ही में कहा कि निर्देशक विशाल भारद्वाज और उनकी पत्नी गायिका रेखा भारद्वाज के साथ काम करना उनके लिए एक सपने के सच होन जैसा है. इस सीरीज में नसीरुद्दीन शाह, रत्ना पाठक शाह, नीना गुप्ता, गुलशन ग्रोवर, चंदन रॉय सान्याल, पाओली डैम और वामिका गब्बी भी होंगी. शो अगाथा क्रिस्टी की 1931 की जासूसी फिक्शन 'द सिटाफोर्ड मिस्ट्री' का ऑफिशियल एडेप्टेशन है. चर्चा है कि लारा 'हिकप्स एंड हुकअप्स' के अगले सीजन में भी नजर आएंगी. फिलहाल वह विशाल भारद्वाज के इस महत्त्वाकांक्षी प्रोजेक्ट की तैयारियों में जुट गई हैं. 'बेल बॉटम' में पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के रोल में उन्हें काफी पसंद किया गया था.

नए वेंचर के लिए एमएमए सीख रही हैं सौंदर्या

एक्ट्रेस सौंदर्या शर्मा को 'बिग बॉस 16' और 'रांची डायरीज' में दर्शकों ने देखा है. सौंदर्या इन दिनों अपने आगामी हॉलीवुड प्रोजेक्ट के लिए मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स (एमएमए) का प्रशिक्षण ले रही हैं. सौंदर्या ने कहा कि अभी इस इंटरनेशनल प्रोजेक्ट के बारे में बात करना उनके लिए संभव नहीं, लेकिन वह इसमें अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए शारीरिक और मानसिक रूप से पूरा प्रयास कर रही हैं. उनका एमएमए प्रशिक्षण इसी प्रोजेक्ट का हिस्सा है. सौंदर्या ने बताया कि वह जल्द ही विदेश में एक विशेष प्रोजेक्ट के लिए रवाना होंगी, जहां यह ट्रेनिंग उनके काम का अहम हिस्सा होगी.

कैफ की मम्मी की नसीहत

टरक्वोट ने एक पोस्ट शेयर किया, जिसमें उन्होंने महिलाओं की रिस्पेक्ट किए जाने को लेकर बात की है. उन्होंने पोस्ट किया- 'मुझे ऐसे संस्कार मिले हैं जहां आप क्लीनिंग एम्प्लाई को भी वैसे ही रिस्पेक्ट दो जैसा कि आप किसी बड़ी कंपनी के सीईओ को देते हो.'

अब ज्यादा फिल्में और ओटीटी करूंगी

रवीना टंडन को हाल ही में भारतीय फिल्मों में उनके योगदान के लिए 'पद्म श्री' पुरस्कार से सम्मानित किया गया. एक इंटरव्यू में रवीना ने कहा कि वह अब पहले से ज्यादा फिल्मों और ओटीटी शो में काम करने के लिए प्रतिबद्ध हैं. रवीना का कहना है कि वह गिनती से ज्यादा गुणवत्ता पसंद करती हैं. उन्होंने कहा, 'आने वाले दिनों में आप मुझे कई प्रोजेक्ट्स में देखेंगे. मैंने कभी खुद पर फिल्मों की संख्या का बोझ नहीं डाला. मुझे अपने परिवार के साथ समय बिताना ज्यादा जरूरी था. रवीना रोमांटिक कॉमेडी 'घुड़चढ़ी' में संजय दत्त के साथ दिखेंगी.

नीतू ने बुझी आग में घी डाला!

बेटे रणबीर के दिल के करीब रहीं दीपिका-कैटरीना तो नहीं निशाने पर?

रणबीर कपूर और कैटरीना कैफ के बीच काफी लंबे वक्त तक रिलेशनशिप रही है. दीपिका पादुकोण भी रणबीर के दिल के बहुत करीब रही हैं. हालांकि दोनों ने ही एक वक्त पर रणबीर का साथ छोड़ दिया. रणबीर और आलिया भट्ट शादी कर चुके हैं. दोनों एक बेटी राहा के पैरेंट्स बन चुके हैं. इस बीच रणबीर की मां नीतू कपूर के एक कमेंट ने बुझ चुकी आग में घी डाल दिया है. फिलहाल, उन्होंने यह पोस्ट किस वजह से लिखी, इसमें उनके टारगेट पर कौन था, स्पष्ट नहीं, लेकिन यूजर्स ने इसे सीधे कैटरीना कैफ और दीपिका पादुकोण को कनेक्ट कर दिया है. और तो और, नीतू की पोस्ट के बाद कैटरीना कैफ की मम्मी सुजैन टरक्वोट की पोस्ट ने तो यूजर्स के कान खड़े कर दिए.

डेट का मतलब शादी नहीं

रणबीर की मां नीतू कपूर ने इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी में लिखा - 'उसने (किसी लड़की) आपको 7 साल तक डेट किया है. इसका मतलब यह नहीं निकाल सकते कि वह आपसे शादी करेगी. मेरे अंकल ने पूरे 6 साल तक मेडिकल फील्ड की पढ़ाई की, लेकिन अब वह डीजे हैं.'

पोस्ट वॉर पर जमकर कमेंट

यूजर्स कैटरीना की मॉम सुजैन के पोस्ट की जमकर तारीफ कर रहे हैं. पोस्ट वॉर पर खूब कमेंट किए जा रहे हैं. एक नेटीजन्स ने कहा, 'ये हो सकता है कि ये कोई नॉर्मल पोस्ट हो लेकिन टाइमिंग जबरदस्त है.'

TV मैजिक

'जय गंगा मैया' और 'वो रहने वाली महलों की' जैसे पॉपुलर टीवी शोज में अपने किरदार से दर्शकों का दिल जीतने वाली एक्ट्रेस रीना कपूर इन दिनों 'आशाओं का सवेरा...धीरे धीरे से' में नजर आ रही हैं. शो में उनके किरदार के जीवन में सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहा है, जहां वो अब अपने जीवन को सुधारने में जुटी नजर आ रही हैं. अपने इस शो और किरदार को लेकर अभिनेत्री ने नवभारत से विशेष बातचीत की. पेश है इस चर्चा के कुछ अंश...

हर परिस्थिति से निपटने में सक्षम हैं महिलाएं

रीना कपूर

शो पर आपके किरदार में एक बदलाव देखने को मिल रहा है, दर्शकों के लिए ये कितना दिलचस्प होगा?

शो पर मेरा सफर बेहद खूबसूरत रहा है और यहां मेरा किरदार सच्चाई के साथ आगे बढ़ रहा है. जैसा कि आपने देखा कि भावना (रीना का किरदार) को समाज की अनेकों यातनाओं से गुजरना पड़ा है और परिवार में भी उसे काफी कुछ सहन करना पड़ा है. लेकिन अब वो उस दर्द के साथ जीना नहीं चाहती और इस प्रकार की जीवनशैली के साथ जीने से इनकार कर रही है. अब वो अपने दर्द को खुलकर बयां कर रही है और अपने लिए परिस्थितियों को सुधारने में लगी हुई है. मैं अपने किरदार में इस बदलाव को लेकर खुश हूं.

क्या आपका किरदार दर्शकों को विश्वास दिलाने में सक्षम है कि महिलाएं भी पुरुषों से कम नहीं?

जी बिलकुल, महिलाओं में हर परिस्थिति में खुद को संभालने की क्षमता है और वे बेहद मजबूत भी हैं, उन्हें बस इस बात का एहसास नहीं होता. लेकिन पुरुषों को ये बात समझने की आवश्यकता है. एक महिला के रूप में मैं यही चाहूंगी कि पुरुष भी इस बात को समझकर अपने इर्द-गिर्द मौजूद महिलाओं को आगे बढ़ने का समान अवसर प्रदान करें.

'जय गंगा मैया' की तरह ही किसी आध्यात्मिक शो का ऑफर मिलेगा तो करेंगी?

सच कहूं तो आध्यात्मिक शोज करना मुझे बेहद पसंद है और वे मुझे हमेशा से आकर्षित करते रहे हैं. मैं अपनी पर्सनल लाइफ में भी काफी अध्यात्मिक हूं और अपने धर्म का प्रेमपूर्वक पालन करती हूं. इस प्रकार के किरदार के जरिये आप काफी कुछ सीखते हैं और कई चीजें ऐसी होती हैं जिसे आप समझ नहीं पाते. लेकिन एक अध्यात्मिक किरदार निभाते हुए आप इसे बेहद करीब से समझते हैं और इस प्रकार आप ईश्वर से जुड़ी अनूठी चीजों के बारे में भी काफी कुछ सीख पाते हैं. इसलिए अगर मुझे इस प्रकार के किरदार ऑफर हुए तो मैं उसे जरूर करना चाहूंगी.

मनोरंजन जगत में आप कई वर्षों से सक्रिय हैं, किस प्रकार के किरदार आपको हमेशा से आकर्षित करते आए हैं?

मुझे सशक्त किरदार निभाना हमेशा से पसंद रहा है, जैसे कि इस शो में मेरा भावना का किरदार है. इसमें मुझे अपनी प्रतिभा को दिखने का भरपूर अवसर प्राप्त हुआ. मुझे अपने किरदार के हर सीन को निभाने में भरपूर आनंद आता है.

अपने शो के जरिये दर्शकों को क्या संदेश देना चाहेंगी?

मैं अपने दर्शकों को और खास तौर पर महिलाओं को यही संदेश देना चाहूंगी कि उन्हें मजबूती के साथ अपनी बातों को आगे रखना चाहिए और अपने हक के लिए उठना चाहिए. गलत चीजों का जितना वे विरोध करेंगी, उतना ही वे न सिर्फ अपने, बल्कि अपने बच्चों के लिए भी एक बेहतर वातावरण तैयार करेंगी.

▲ आकाश जायसवाल

'वॉर 2' से कमबैक करेंगे उदय!

निर्माता आदित्य चोपड़ा इन दिनों यशराज फिल्म्स के स्पाई यूनिवर्स को लेकर काफी संजीदा हैं. हाल ही में सामने आया कि 'वॉर 2' को अयान मुखर्जी डायरेक्ट करेंगे और इसमें साउथ के जूनियर एनटीआर ऋतिक के अपोजिट होंगे. अब फैंस को खुश होने का एक मौका मिल गया है. 'वॉर 2' के बारे में ताजा अपडेट यह है कि आदित्य चोपड़ा ने छोटे भाई उदय चोपड़ा को भी फिल्म के लिए साइन किया है. रिपोर्ट्स की मानें तो, उदय चोपड़ा इसमें सपोर्टिंग रोल में नजर आएंगे. हालांकि, इस खबर की अभी तक आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है. हाल ही यश चोपड़ा पर बनी डॉक्यूमेंट्री 'द रोमैंटिक्स' में उदय अपने ब्रिटिश-अमेरिकन उच्चारण के कारण काफी चर्चा में थे.

कपिल की किस्मत के ताले खुले

टीवी पर अपनी धाक जमाने के बाद कपिल शर्मा ने साल 2015 में आई फिल्म 'किस किस को प्यार करूं' से अपने एक्टिंग करिअर की शुरुआत की थी. इस फिल्म में वे 3 एक्ट्रेसेस के साथ इश्क लड़ाते नजर आए थे. कॉमेडी ड्रामा को दर्शकों ने खूब पसंद किया था और बॉक्स ऑफिस पर भी फिल्म का प्रदर्शन ठीक-ठाक रहा था, लेकिन अब तक उन्हें कोई बड़ी सफलता नहीं मिल पाई है. अब खबर है कि वह जल्द ही करीना कपूर के साथ एक फिल्म में नजर आने वाले हैं.

शानदार भूमिका निभाने तैयार

कपिल शर्मा के हाथ एकता कपूर की फिल्म लगी है. फिल्म का नाम 'द क्रू' बताया जा रहा है. इस फिल्म में कपिल शर्मा के अलावा करीना कपूर खान, तब्बू और कृति सेनन भी नजर आने वाली हैं. कपिल 'द क्रू' में एक शानदार भूमिका निभाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं. पूरी टीम उनके फिल्म का हिस्सा बनने पर काफी एक्साइटेड है. कृति सेनन पिछले महीने फिल्म की शूटिंग कर चुकी हैं. करीना कपूर खान कुछ दिन पहले ही टीम का हिस्सा बनी हैं. इस हफ्ते से तब्बू भी फिल्म की शूटिंग शुरू करने वाली हैं. शूटिंग के लिए जल्द ही कपिल की बारी आएगी.

करिअर जोन

ई-लर्निंग प्रोग्राम से इंप्रूव करें स्किल्स

पसंदीदा नौकरी से जुड़ने की ख्वाहिश होगी पूरी

मौजूदा दौर में कंपनियां बहाली के दौरान ऐसे उम्मीदवारों को प्राथमिकता देना पसंद करती हैं, जो शैक्षणिक ज्ञान के साथ काम से संबंधित स्किल्स भी रखते हैं. ऐसे में युवाओं के बीच स्किल डेवलपमेंट के लिए ई-लर्निंग बेहतरीन प्लेटफॉर्म बनकर उभरा है. ये प्लेटफॉर्म खासतौर से उम्मीदवार के डोमेन और सॉफ्ट स्किल डेवलपमेंट पर फोकस करते हैं, ताकि उम्मीदवार इंडस्ट्री की मांग के अनुसार खुद में स्किल्स डेवलप कर पसंदीदा नौकरी से जुड़ने की ख्वाहिश को पूरा कर सके.

टेक्निकल स्किल बढ़ाएं

ऐसे कई स्किल्स हैं, जिन्हें जॉब प्रोफाइल के अनुसार ऑनलाइन लर्निंग के माध्यम से निखारा जा सकता है. ऐसे में कई युवा वेब डेवलपमेंट, कोर जावा, इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी), एंगुलर, डिजिटल मार्केटिंग आदि की जानकारी ऑनलाइन प्राप्त कर सकते हैं. वेब-डेवलपर बनने के इच्छुक युवा या वे उम्मीदवार, जो एचटीएमएल, सीएसएस, बूटस्ट्रैप, पीएचपी, माइएसक्यूल आदि स्किल्स डेवलप करना चाहते हैं, वे ई-लर्निंग के माध्यम से घर बैठे ही इन्हें सीख सकते हैं. इसके अतिरिक्त ऐसे कई स्किल हैं, जिन्हें जॉब प्रोफाइल एवं उम्मीदवार की रुचि के अनुसार ऑनलाइन लर्निंग के जरिये निखारा जा सकता है.

सॉफ्ट स्किल्स निखारें

सॉफ्ट स्किल्स में नॉन-टेक्निकल स्किल्स शामिल हैं, जो आपके टेक्निकल कौशल को सहयोग प्रदान करते हैं. कंपनी में आपकी अलग पहचान बनाने में सॉफ्ट स्किल्स महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं. कंपनी द्वारा आपके सॉफ्ट स्किल्स का परीक्षण इंटरव्यू के समय से ही किया जाने लगता है. नियोक्ता निरंतर ऐसे उम्मीदवारों की खोज में रहते हैं, जो प्रभावी संचार, रचनात्मकता, अनुकूलनशीलता, सहानुभूति, सीखने की इच्छा, प्रबंधन, टीमवर्क जैसे स्किल्स के धनी होते हैं. ऐसे में प्रतिष्ठित नौकरी से जुड़ने का मौका तलाश रहे युवा ऑनलाइन लर्निंग के माध्यम से बिजनेस कम्युनिकेशन स्किल, कम्युनिकेशन एवं मैनेजमेंट जैसे स्किल्स को निखार कर इंडस्ट्री के अनुसार खुद को तैयार कर सकते हैं.

जिम्मेदार बनाती है ऑनलाइन लर्निंग

ऑनलाइन लर्निंग अपने लर्नर्स को मनमुताबिक सीखने का मौका देती है. क्योंकि इस माध्यम से लर्नर्स को न क्लासरूम की चारदीवारों के अंदर बैठना होता है, न ही निर्धारित समय पर पढ़ने की पाबंदी होती है. ऐसे में ऑनलाइन लर्निंग करनेवाले युवाओं में टाइम मैनेजमेंट और नियमित पढ़ाई करने का गुण विकसित होता है. ई-लर्निंग में किसी ट्रेनिंग प्रोग्राम को पूरा करने के लिए 4 से 6 सप्ताह का समय निर्धारित होता है. वे उम्मीदवार, जो गंभीरता के साथ इस माध्यम से पढ़ाई करते हैं, वे प्रतिदिन 2 घंटे अपने ट्रेनिंग प्रोग्राम को देते हैं. ऐसे छात्रों में टाइम मैनेजमेंट, मल्टीटास्किंग, सेल्फ मोटिवेशन जैसे गुण विकसित होते हैं, जिससे किसी भी संस्थान में अपनी अलग पहचान बनाना आसान हो जाता है.

विकसित होती है पेशेवर समझ

इन दिनों अधिकतर ऑनलाइन प्रोग्राम्स में असाइनमेंट, असेसमेंट टेस्ट, कोड चैलेंजेस, क्विज व एक्सरसाइज को शामिल किया जाता है, जिससे समय-समय पर उम्मीदवार के ज्ञान का परीक्षण किया जा सके. इनका उद्देश्य उम्मीदवार में किसी भी अवधारणा की व्यावहारिक समझ विकसित करना है, क्योंकि अपनी नौकरी के दौरान उन पर अमल करना होता है. इस व्यावहारिक ज्ञान को निखारने के लिए ऑनलाइन लर्निंग प्रोग्राम के अंत में इंडस्ट्रियल प्रोजेक्ट्स को शामिल किया जा रहा है.

महिलाओं की पसंदीदा डिजाइन में Mi Band 8

Gadgets वॉच

शाओमी अपने नए स्मार्ट बैंड mi बैंड 8 को लॉन्च करने जा रही है. इस नए स्मार्ट बैंड को कंपनी ने महिलाओं को ध्यान में रखते हुए डिजाइन किया है. इस स्मार्टबैंड को ओवल पिल शेप में कंपनी ने डिजाइन किया है. यह स्मार्टबैंड, इससे पहले के बैंड 7 का अपडेट वर्जन हो सकता है. इस स्मार्ट बैंड में आपको 1.62 इंच का AMOLED टचस्क्रीन डिस्प्ले मिल सकता है. इसका रेजोल्यूशन 192×490 पिक्सल तथा इसकी पिक्सल डेन्सिटी 326ppi हो सकती है. इसी के साथ आपको 500 निट्स की पीक ब्राइटनेस भी मिलेगी. इस स्मार्ट बैंड में आपको कई फिटनेस ट्रैकर फीचर्स मिलेंगे. इसमें ऑप्टिकल हार्ट रेट और ब्लड ऑक्सीजन सेंसर को भी शामिल किया गया है. साथ ही इसमें स्लीप, फीमेल हेल्थ ट्रैकर और ब्लड ऑक्सीजन सेचुरेशन को भी जोड़ा गया है. इसी के साथ आपको आउटडोर वर्कआउट के लिए भी इस बैंड में कई मोड्स मिलेंगे.

हिलव्यू समाचार

खेल/विविध

जयपुर, सोमवार, 17 अप्रैल 2023

आईपीएल 2023 अंक तालिका

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक	रन रेट
राजस्थान	05	04	01	08	1.354
लखनऊ	05	03	02	06	0.761
गुजरात	05	03	02	06	0. 192
पंजाब	05	03	02	06	-0.109
कोलकाता	05	02	03	04	0.320
चेन्नई	04	02	02	04	0.225
बेंगलुरु	04	02	02	04	-0.316
मुंबई	04	02	02	04	-0.389
हैदराबाद	04	02	02	04	-0.822
दिल्ली	05	00	05	00	-1.488

ऑरेंज कैप

खिलाड़ी	टीम	पारी	रन
वेंकटेश	कोलकाता	05	234
शिखर धवन	पंजाब	04	233
शुभमन	गुजरात	05	228
डेविड वॉर्नर	दिल्ली	05	228
विराट कोहली	बेंगलुरु	04	214

पर्पल कैप

खिलाड़ी	टीम	पारी	विकेट
मार्क वुड	लखनऊ	04	11
युजवेंद्र चहल	राजस्थान	05	11
राशिद खान	गुजरात	05	11
मो. शमी	गुजरात	05	10
रवि बिश्नोई	लखनऊ	05	08

कप्तान हार्दिक हमेशा आगे की सोचते हैं : मोहम्मद कैफ

अहमदाबाद । पूर्व भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद कैफ का मानना है कि गुजरात टाइटन्स के कप्तान हार्दिक पांड्या बीते हुए कल को लेकर ज्यादा विचार नहीं करते, जो उनकी टीम को सकारात्मकता प्रदान करता है। कैफ ने कहा, 'हार्दिक ऐसे कप्तान हैं जो हमेशा आगे का सोचते हैं, वह बीती बातों पर ज्यादा ध्यान नहीं देते। वे मैच हार गये और इससे बाहर भी आ गये। अब वे एक नए मैच के लिए तैयार हैं। यह टीम काफी सकारात्मक है। यह टीम अपने अच्छे प्रदर्शन को बनाये रखना चाहती है क्योंकि जब आप खिताब का बचाव करने के लिये खेल रहे होते हैं, तो आपको अच्छे प्रदर्शन की आवश्यकता होती है।

आईपीएल: मुंबई ने कोलकाता को पांच विकेट से हराया, मप्र के वेंकटेश का शतक बेकार

किशन व सूर्या ने दिलाई जीत

मुंबई । खराब फॉर्म से गुजर रहे ईशान किशन (25 गेंद, 58 रन) और सूर्यकुमार यादव (25 गेंद, 43 रन) की आतिशी पारियों से मुंबई इंडियंस ने आईपीएल 2023 में रविवार को कोलकाता नाईट राइडर्स (केकेआर) को पांच विकेट से मात दी। केकेआर ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में छह विकेट पर 185 रन बनाए। जबाव में मुंबई ने 17.4 ओवर में पांच विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। मुंबई ने टॉस जीतकर गेंदबाजी करते किया। पहले बल्लेबबाजी उतरी कोलकाता के लिए वेंकटेश अय्यर (51 गेंद, 104 रन) के शतकीय पारी खेली। अय्यर ने शार्दुल ठाकुर (13) के साथ चौथे विकेट के लिए 50 रन जोड़े। इसके अलावा रिंकु सिंह (18 रन) आंद्रे रसेल ने (नाबाद 21 रन) का योगदान दिया। लक्ष्य का पीछा करते हुए मुंबई के लिए किशन और इम्पैक्ट प्लेयर रोहित शर्मा ने पावरप्ले का भरपूर लाभ उठाया। रोहित (20 रन) का विकेट गंवाने के बावजूद पावरप्ले में 72 रन जोड़ लिए। सूर्यकुमार (43 रन) ने तिलक वर्मा (30 रन) के साथ 60 रन की साझेदारी करके मैच को मुंबई की झोली में डाल दिया। इसके बाद टिम डेविड ने 13 गेंद पर नाबाद 24 रन बनाकर मुंबई को जीत दिलाई। कोलकाता के लिए सुयश शर्मा ने दो विकेट झटके।

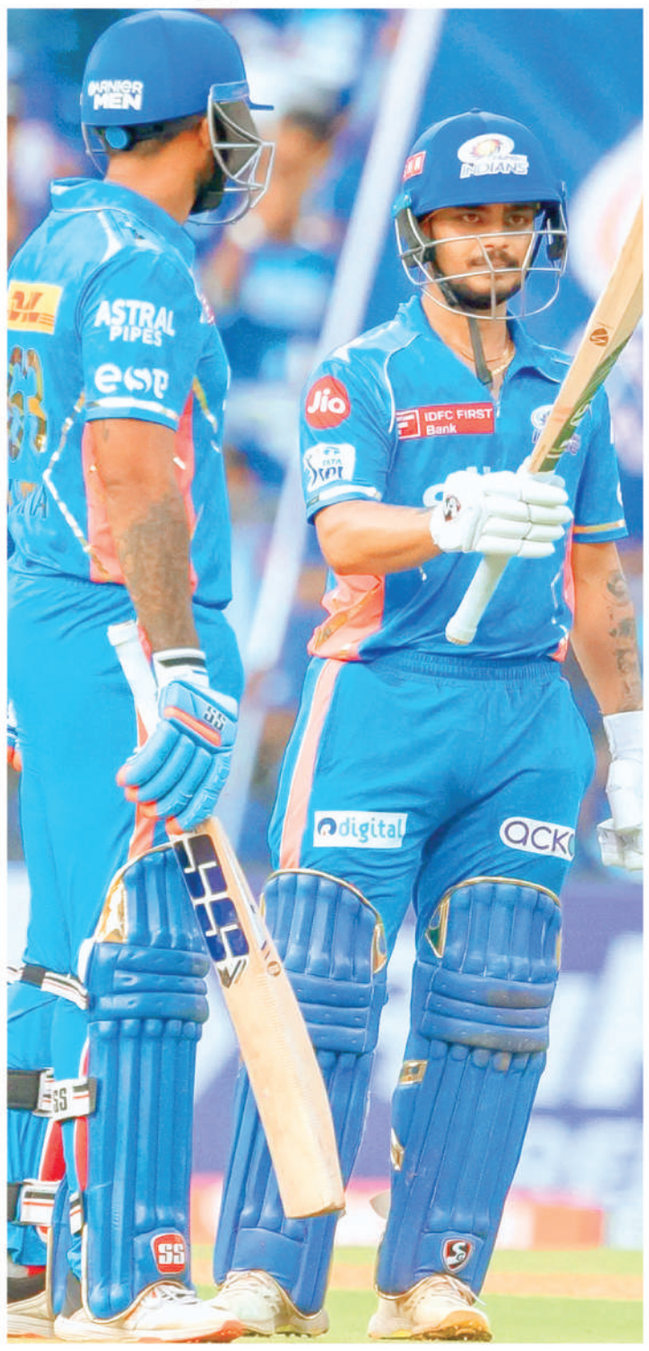

प्रदेश के वेंकटेश अय्यर कोलकाता के लिए शतक जड़ने वाले दूसरे बल्लेबाज

मध्यप्रदेश के वेंकटेश अय्यर ने आईपीएल में अपने करियर का पहला शतक जड़ा। वह कोलकाता के लिए शतक जड़ने वाले दूसरे बल्लेबाज हैं। ब्रेंडन मैकुलम ने 15 साल पहले 2008 में आईपीएल के पहले मैच में 158 रन की पारी खेली थी। कोलकाता के खिलाफ अब तक 11 बल्लेबाज शतक जड़ चुके है। यह इस सीजन का दूसरा शतक भी इससे पहले हैदराबाद के सनराइजर्स के हैरी ब्रुक ने शतक जड़ा था।

स्कोर बोर्ड

कोलकाता नाइट राइडर्स	रन	गेंद	4/6
गुरबाज कै. डुआन बो. पीयूष	08	12	0/0
जगदीशन कै. शौकीन बो. ग्रीन	00	05	0/0
वेंकटेश कै. डुआन बो. मेरेडिथ	104	51	6/9
राणा कै. आरे सिंह बो. शौकीन	05	10	0/0
शार्दुल कै. तिलक बो. शौकीन	13	11	1/0
रिंकु सिंह कै. वढेरा बो. डुआन	18	18	2/0
आंद्रे रसल नाबाद	21	11	3/1
सुनील नारायण नाबाद	02	02	0/0

अतिरिक्त: 14, कुल: 20 ओवर में छह विकेट 185 रन **विकेट पतन:** 1-11, 2-57, 3-73, 4-123, 5-159, 6-172, **गेंदबाजी:** अर्जुन तेंदुलकर 2-0-17-0, कैमरन ग्रीन 2-0-20-1, डुआन यानसन 4-0-53-1, पीयूष चावला 4-0-19-1, ऋतिक शौकीन 4-0-34-2, रायली मेरेडिथ 4-0-40-1,

मुंबई इंडियंस	रन	गेंद	4/6
रोहित शर्मा कै. उमेश बो. सुयश	20	13	1/2
ईशान किशन बो. चक्रवर्ती	58	25	5/5
सूर्यकुमार कै. गुरबाज बो. शार्दुल	43	25	4/3
तिलक वर्मा बो. सुयश	30	25	3/1
टिम डेविड नाबाद	24	13	1/2
नेहाल वढेरा कै. गुरबाज बो. लॉकी	06	04	1/0
कैमरन ग्रीन नाबाद	01	01	0/0

अतिरिक्त: 4, कुल: 17.4 ओवर में पांच विकेट पर 186 रन **विकेट पतन:** 1-65, 2-87, 3-147, 4-176, 5-184, **गेंदबाजी:** उमेश यादव 2-0-19-0, शार्दुल ठाकुर 2-0-25-1, सुनील नारायण 3-0-41-0, सुयश शर्मा 4-0-27-2, वरुण चक्रवर्ती 4-0-38-1, लॉकी फर्ग्युसन 1.4-0-19-1, आंद्रे रसल 1-0-17-0,

अर्जुन तेंदुलकर और डुआन यानसन ने किया मुंबई के लिए पदार्पण

मुंबई। मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन तेंदुलकर ने कोलकाता के मुंबई के लिए पदार्पण किया। मुंबई ने अर्जुन को सबसे पहले 2021 में फ्रेंचाइजी में शामिल किया था। उन्होंने अपने घरेलू करियर में नौ टी20 मैच में 12 विकेट चटकाए हैं। अब सचिन और अर्जुन तेंदुलकर आईपीएल खेलने वाले बाप-बेटे की पहली जोड़ी बन गई है। सचिन तेंदुलकर 2008 से लेकर 2013 तक लगातार मुंबई इंडियंस के लिए खेले थे। अर्जुन के साथ साउथ अफ्रीका के 22 वर्षीय तेज गेंदबाज डुआन यानसन को भी डेब्यू करने का मौका मिला है जो मार्को यानसन के जुड़वा भाई हैं। डुआन यानसन के डेब्यू करने के साथ अब आईपीएल में खेलने वाली पहली जुड़वा भाइयों की जोड़ी भी बन गई है। मार्को यानसेन ने इससे पहले साल 2021 में मुंबई इंडियंस की टीम से ही आईपीएल में डेब्यू किया था।

राजस्थान की गुजरात के खिलाफ़ पहली जीत

संजू और हेटमायर ने जड़े अर्धशतक

अहमदाबाद । कप्तान संजू सैमसन (32 गेंद, 60 रन) और मैन ऑफ द मेच शिमरोन हेटमायर (26 गेंद, नाबाद 56 रन) के आतिशी अर्धशतकों की बदौलत राजस्थान रॉयल्स ने आईपीएल के रोमांचकारी मुकाबले में गुजरात टाइटंस को तीन विकेट से हराकर अंकतालिका में शीर्ष पर कब्जा किया। राजस्थान रॉयल्स ने आखिरकार गुजरात के खिलाफ आईपीएल में अपनी पहली जीत हासिल कर ली है। उसे पिछले सीजन में गुजरात ने फाइनल सहित तीन मैचों में हराया था। गुजरात टाइटंस ने 20 ओवर में सात विकेट पर 177 रन बनाए। जवाब में राजस्थान ने 19.2 ओवर में सात विकेट पर 179 रन बनाकर मैच को अपने नाम कर लिया। रॉयल्स ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। गुजरात के लिए ऋद्धिमान साहा (चार रन) और साई सुदर्शन पावरप्ले (20 रन) के आउट होने के बाद शुभमन गिल (45 रन) और हार्दिक पांड्या (28रन) ने तीसरे विकेट के लिए 59 रन की साझेदारी की। पांड्या का विकेट गिरने के बाद डेविड मिलर ने 46 रन, अभिनव 27 रन बनाए। संदीप शर्मा ने दो विकेट लिए।

संजू -हेटमायर के बीच 59 रन की साझेदारी

लक्ष्य का पीछा करते हुए राजस्थान ने अपने दोनों सलामी बल्लेबाज चार रन के अंदर आउट हो गए। यशस्वी जायसवाल (एक रन), जोश बटलर (शून्य रन), पडिक्कल (26 रन) और रियान पराग (पांच रन) के विकेट गिरने पर भी सैमसन ने हेटमायर के साथ 59 रन की बहुमूल्य साझेदारी की। सैमसन के आउट होने के बाद भी रॉयल्स को पांच ओवर में 64 रन की दरकार थी। हेटमायर ने यहां से 26 गेंद पर 56 रन की पारी खेलकर गलाकाट प्रतियोगिता में रॉयल्स की जीत सुनिश्चित की। इस सांस रोक देने वाले मुकाबले के अंतिम दो ओवरों में रॉयल्स को 23 रन की जरूरत थी। मोहम्मद शमी ने 19वें ओवर में 16 रन दिए। लेकिन ध्रुव जुरेल और रविचंद्रन अश्विन के महत्वपूर्ण विकेट भी निकाले। रॉयल्स को आखिरी ओवर में सात रन की जरूरत थी और हार्दिक पांड्या ने हेटमायर को रोकने के लिए गेंद नवागंतुक स्पिनर नूर अहमद को दी। हेटमायर को हालांकि इससे कोई फर्क नहीं पड़ा और उन्होंने ओवर की दूसरी गेंद पर विजयी छक्का जड़ दिया।

आईपीएल में हार्दिक के 2000 रन पूरे

गुजरात के कप्तान हार्दिक पांड्या आईपीएल में 2000 से ज्यादा रन और 50 विकेट लेने वाले छठे खिलाड़ी बन गए हैं। वह यह रिकॉर्ड बनाने वाले सिर्फ दूसरे भारतीय हैं। हार्दिक ने राजस्थान के खिलाफ16वां रन बनाते ही आईपीएल में अपने 2000 रन पूरे किए। आईपीएल में वह 50 विकेट पहले ही ले चुके हैं। इससे पहले आईपीएल में शेन वॉटसन, आंद्रे रसेल, जैक कैलिस, कीरोन पोलार्ड और रवींद्र जडेजा ये कारनामा कर चुके हैं। हार्दिक पांड्या साल 2015 से ही आईपीएल में खेल रहे हैं।

मध्यप्रदेश का महुआ अब लंदन तक बनाएगा पहुंच

दो सौ टन महुआ 110 रुपए प्रति किलो के भाव से होगा निर्यात

भोपाल, (प्रसं)। जब दिन फिरने की बारी आती है तो फिर जब वक्त आता है कि किसी न किसी का वक्त फिर ही जाता है। फिर भला इस मामले में प्रदेश के प्रमुख वनोपज में शामिल महुआ कैसे पीछे रह सकता है। वैसे तो मप्र में सरकार भी समर्थन मूल्य पर महुआ खरीदती है, लेकिन मप्र का महुआ अब देश तो क्या विदेश के लंदन भी जाने की तैयारी में है। वह भी तीन गुना कीमत पर।

वन विभाग के सहयोग से मप्र राज्य लघु वनोपज सहकारी संघ के प्रयासों से प्रदेश से 200 टन महुआ 110 रुपए प्रति किलो के भाव से लंदन निर्यात किए जाने का अनुबंध हुआ है। यह अनुबंध पिछले साल के अंत में 9वें अंतर्राष्ट्रीय वन मेला में लंदन की मेसर्स ओ फॉरेस्ट की भारतीय इकाई मधुवन्या के साथ हुआ। राज्य लघु वनोपज संघ के प्रबंध संचालक पुष्कर सिंह ने बताया कि महुआ से पृथक 3 गुना मुनाफा मिलेगा। अनुबंधित महुआ की आपूर्ति वर्ष 2023 में की जाएगी। इसके लिए उमरिया, अलीराजपुर, नर्मदापुरम, सीहोर, सीधी और खंडवा जिला यूनियन के साथ एग्रीमेंट साइन किए जा रहे है। नर्मदापुरम के सहेली वन धन विकास केंद्र द्वारा पिछले वर्ष 18 क्विंटल खाद्य ग्रेड महुआ लंदन निर्यात किया जा चुका है।

खाद्य ग्रेड महुआ नेट के माध्यम से संग्रहित होगा

लघु वनोपज संघ द्वारा खाद्य ग्रेड महुआ को नेट के माध्यम से संग्रहित कराया जाएगा। इसके लिए संग्राहकों को प्रक्रिया का प्रशिक्षण भी दिया गया है। संग्राहकों को नेट वितरण जिला यूनियन से होगा। इस विधि से संग्रहीत महुआ का फूल मिट्टी और खरपतवार रहित होते है। इससे गुणवत्ता पूर्ण महुआ संग्रहण करने से बाजार में उनकी खासी कीमत प्राप्त होती है।

संबंधों का नया दौर, वाणिज्य मंत्री जीना रायमोंडो ने याद किए होली के दिन, कहा

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस क्रांति का नेतृत्व भारत अमेरिका मिलकर करेंगे

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारत और अमेरिका क्वाड के जरिए इंडो-पैसिफिक में चीन का दबदबा कम करने के लिए काम कर रहे हैं। वहीं, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस को लेकर भी दोनों देशों के बीच समझौते किए गए हैं।

मोदी सरकार के कार्यकाल के दौरान भारत और अमेरिका के बीच के संबंधों में काफी गर्माहट आई है और अमेरिकी मंत्रियों के मुंह से पीएम मोदी की तारीफ भरे शब्द इस बात की गवाही दे रही हैं। अमेरिका की वाणिज्य मंत्री जीना रायमोंडो ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ अपनी हालिया बैठक को याद करते हुए कहा कि भारत और अमेरिका मिलकर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस क्रांति का नेतृत्व करेंगे। अमेरिका की वाणिज्य मंत्री जीना रायमोंडो ने पिछले महीने भारत का दौरा किया था और इस दौरान उनकी मुलाकात भारत की वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण, विदेश मंत्री एस। जयशंकर और भारत के वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल से भी हुई थी। भारत यात्रा के दौरान अमेरिकी वाणिज्य मंत्री जीना रायमोंडो ने नई दिल्ली में जमकर होली खेली थी और रंगों में डूबी हुई उनकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर काफी वायरल हुई थीं। जीना रायमोंडो ने अमेरिका में कहा है, कि उन्होंने भारत यात्रा के दौरान संस्कृति, परंपरा और समारोहों का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन देखा। उनकी होली खेलने की तस्वीरें और वीडियो क्लिप सोशल मीडिया पर वायरल हो गए हैं और अमेरिका और भारत के बीच मजबूत संबंधों को दर्शाते हैं। इंडिया हाउस में भारतीय अमेरिकियों की एक सभा को संबोधित करते हुए, वाणिज्य सचिव ने इस साल भारत में अपने होली समारोह को काफी प्यार से याद किया। रायमोंडो ने शनिवार को कहा कि मैं हाल ही में भारत में थी। मैं एक दिन पहले ही गई थी ताकि मुझे होली में भाग लेने का अवसर मिल सके और रक्षा मंत्री ने अपने परिवार के साथ मेरी मेजबानी की थी।

अगली पीढ़ी की प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में साझेदारी की घोषणा की

अमेरिकी मंत्री ने कार्यक्रम में बोलते हुए पीएम मोदी के साथ अपनी मुलाकात को भी याद किया और उन्हें दूरदर्शी और अविश्वसनीय नेता बताया। उन्होंने कहा कि मुझे प्रधानमंत्री मोदी के साथ डेढ़ घंटे बिताने का एक अविश्वसनीय अवसर मिला और इस दौरान मुझे पता चला, कि आखिर किस कारण से वो सबसे लोकप्रिय विश्व नेता हैं। वह अविश्वसनीय, दूरदर्शी हैं, और भारत के लोगों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का स्तर अवर्णनीय है। आपको बता दें, कि इस साल की शुरुआत में, भारत और अमेरिका ने अंतरिक्ष, रक्षा, अर्द्धचालक और अगली पीढ़ी की प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में साझेदारी की घोषणा की है। दोनों देशों के बीच किया गया द्विपक्षीय समझौता चीन को अलग-थलग करते हुए नई दिल्ली के साथ रणनीतिक क्षेत्रों में अमेरिका के मजबूत संबंधों को दर्शाने वाला एक और उदाहरण है। अमेरिका में भारत के राजदूत तरणजीत सिंह संधू ने उनका वीडियो शेयर किया है, जिसमें वो पीएम मोदी की तारीफ करती नजर आ रही हैं। आपको बता दें, कि हिंद महासागर और इंडो-पैसिफिक में चीन का दबदबा रोकने के लिए भारत और अमेरिका के बीच तेजी से साझेदारियां हो रही हैं, और आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस सेक्टर में हुआ समझौता काफी अहम है।

सांसद वरुण ने पिता पर टिप्पणी करने वाले पर किया मानहानि का केस

पीलीभीत, (एजेंसी)। भाजपा नेता वरुण गांधी ने ट्विटर पर अपने पिता के खिलाफ कथित रूप से की गई अपमानजनक टिप्पणी को लेकर वाराणसी के एक युवक के खिलाफ यहां की स्थानीय अदालत में शनिवार को मानहानि का मामला दायर किया है।

वरुण गांधी शनिवार को अपराह्न तीन बजे तीन अधिवक्ताओं के साथ अदालत परिसर में आए और अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (द्वितीय) अभिनव तिवारी के समक्ष मानहानि का मुकदमा दायर किया। एक वकील ने बताया कि अदालत ने वरुण गांधी का बयान दर्ज किया और सुनवाई की अगली तारीख 25 अप्रैल तय की है। गांधी ने शिकायत में कहा है कि उनके पिता स्वर्गीय संजय गांधी देश के जाने-माने राजनेता थे और पूरे देश में उनका सम्मान था और आज भी है।

पंजाब में भाजपा नेता को गोली मारी

अमृतसर, (एजेंसी)। पंजाब के अमृतसर में प्रदेश भाजपा एससी मोर्चा के महासचिव बलविंदर गिल को रविवार देर रात कुछ लोगों ने गोली मार दी। उन्हें पहले एक नजदीकी अस्पताल में दाखिल करवाया गया, जहां उनकी गंभीर हालत देख अमृतसर के एक अन्य निजी अस्पताल में दाखिल करवाया। एसपी जुगराज सिंह के मुताबिक बलविंदर गिल घर में आराम कर रहे थे। बाइक पर सवार दो युवक उनके घर के बाहर पहुंचे। आरोपियों ने घंटी बजाई और जैसे ही भाजपा नेता बलविंदर गिल ने दरवाजा खोला तो एक युवक ने उनके चेहरे पर गोली मार दी। गोली जबड़े से आर-पार हो गई। वारदात कर आरोपी मोटरसाइकिल से भाग निकले।

सड़क पर चलती कार से डेढ़ करोड़ रुपए उड़ाए

वाशिंगटन, (एजेंसी)। सड़क पर चलते लोग उस वक्त हैरान रह गए जब अचानक नोटों की बारिश होने लगी। एक कार सवार शख्स खिड़की से नोटों के बंडल फेंकने लगा। उसने एक दो नहीं बल्कि डेढ़ करोड़ से ज्यादा रुपए हवा में उड़ा दिए। शख्स का कहना है कि वह दूसरों को गिफ्ट में कुछ देना चाहता था। इसीलिए व्यस्त सड़क पर कैश उड़ाया।

अचानक सड़क पर फेंके युवक ने कार की खिड़की से नोट

मामला अमेरिका के औरिगन स्टेट का है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, चलती कार से नोट फेंकने वाले शख्स की पहचान 38 वर्षीय कॉलिन डेविस मैक्कार्थी के रूप में हुई है। कॉलिन ने दो हजार डॉलर (1 करोड़, 63 लाख रुपए से अधिक) के करीब कैश कार की खिड़की से बाहर फेंका था। जैसे ही उसने

नोटों के बंडल फेंकने शुरू किए, राहगीरों में उसे लूटने की होड़ मच गई। हालांकि, कुछ लोगों ने कॉलिन से ऐसे ना करने की अपील की थी। क्योंकि उसकी हरकत के चलते एक्सीडेंट हो सकता था। इस बीच जैसे ही Eugene हाइवे पर हुई इस घटना की जानकारी पुलिस को मिली वो मौके पर पहुंच गई। पुलिस टीम ने पीछा कर कॉलिन को रोक लिया और नोटों के बंडल को कब्जे में ले लिया। बताया गया कि कॉलिन और उसके पैरेंट्स का जॉइन्ट बैंक अकाउंट था। उसने इसी अकाउंट से पैसे निकाले थे। पैसे लेकर वो कार में सवार हुआ और फिर हाइवे की ओर निकल पड़ा। यहां कॉलिन ने चलती कार की खिड़की खोली और एक-एक कर नोटों के बंडल हवा में उछालने लगा। इया दौरान कई राहगीर नोट बटोरने में जुट गए।

एक प्रत्यक्षदर्शी ने पुलिस को बताया कि सड़क पर गाड़ियों की लंबी कतार थी। इस बीच एक शख्स (कॉलिन) कार से नोट फेंके जा रहा था। कुछ लोग तो सड़क के बीचोबीच जाकर नोट उठाने की कोशिश कर रहे थे। गनीमत रही कि कोई हादसा नहीं हुआ। फिलहाल, पुलिस ने कॉलिन के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। जांच की जा रही है।

आप ने किया प्रदर्शन, केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर की नारेबाजी

भोपाल

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को सीबीआई द्वारा पूछताछ के लिए बुलाए जाने का प्रदेश में आम आदमी पार्टी ने विरोध किया।

भोपाल के रोशनपुरा चौराहे पर आम आदमी पार्टी कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया और केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। कार्यकर्ताओं ने कहा कि केंद्र सरकार जांच एजेंसियों का बेजा इस्तेमाल कर रही है। आप कार्यकर्ताओं ने रामधुन गाकर केंद्र सरकार को सद्बुद्धि की कामना की। आप पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं का कहना है कि केंद्र सरकार बेहतर काम करने वाली सरकार और अरविंद केजरीवाल को परेशान कर रही है। दिल्ली में हो रहे विकास कामों से भाजपा घबराई हुई है। आप प्रवक्ता रमाकांत पटेल ने कहा कि विकास के मामले में बराबरी नहीं कर भाजपा आप और उसके नेताओं को परेशान करने में जुटी है लेकिन उसके मंसूबे पूरे नहीं होंगे।

भोपाल के अलावा ग्वालियर, इंदौर, रीवा, सागर समेत सभी जिलों में भी पार्टी ने केंद्र सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया।

एक नज़र

पत्रकारों की सुरक्षा के लिए एसओपी बनाएगा केंद्र

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्रालय पत्रकारों की सुरक्षा के लिए मानक संचालन प्रक्रिया तैयार करेगा। सूत्रों ने रविवार को यहां बताया कि उत्तर प्रदेश में माफिया अतीक अहमद और अशरफ की शनिवार रात हत्या की घटना के बाद गृह मंत्रालय की ओर से यह कदम उठाया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ को प्रयागराज में जब पुलिस मेडिकल के लिए अस्पताल ले जा रही थी उसी समय कथित रूप से पत्रकार के रूप में आए कुछ लोगों ने पुलिस बल और मीडिया की मौजूदगी में गोली मारकर अतीक तथा उसके भाई की हत्या कर दी। बहुचर्चित उमेश पाल हत्याकांड के सिलसिले में पुलिस हिरासत में चल रहे दोनों माफिया घटना के समय मीडिया से बातचीत कर रहे थे।

हैदराबाद में आग से परिवार के तीन लोगों की हुई मौत

हैदराबाद, (एजेंसी)। तेलंगाना में रविवार तड़के एक लकड़ी के डिपो में आग लगने से पांच वर्षीय बच्चे सहित एक ही परिवार के तीन सदस्यों की जलकर मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने यहां बताया कि यह घटना शहर के कुशसाईगुड़ा में रविवार तड़के करीब तीन बजे हुई। इस इलाके में एक लकड़ी के डिपो में लगी भीषण आग पास के घरों में फैल गयी। जहां एक घर के तीन सदस्य नरेश, उसकी पत्नी और पुत्र आग की चपेट में आकर मौके पर ही मौत हो गई। उन्होंने बताया कि स्थानीय लोगों की सूचना पर दमकल कर्मियों ने मौके पर पहुंचकर, कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। बहरहाल, शवों को पीएम के लिए गांधी अस्पताल भेज दिया गया।

पाक में धार्मिक मामलों के मंत्री कार हादसे में नहीं रहे

इस्लामाबाद, (एजेंसी)। पाकिस्तान के धार्मिक मामलों के मंत्री अब्दुल शकूर की इस्लामाबाद में एक कार दुर्घटना में निधन हो गया। यह जानकारी रविवार को स्थानीय मीडिया ने दी। पाकिस्तानी अखबार डॉन ने पुलिस के हवाले से कहा कि यह घटना शनिवार को हुई। मंत्री की कार को कथित रूप से हिलक्स रेवो नामक वाहन ने टक्कर मार दी, जिससे श्री शकूर के सिर में चोट लगी और उसकी घटनास्थल पर ही निधन हो गया। हिलक्स रेवो में सवार पांच लोगों को हिरासत में लिया गया। पाकिस्तानी राष्ट्रपति आरिफ अल्वी और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने श्री शकूर के निधन पर शोक व्यक्त किया और उनके परिवार के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की।

बुर्किना फासो में जिहादियों का हमला, 40 की मौत

ओगाडौगू, (एजेंसी)। पश्चिम अफ्रीकी देश बुर्किना फासो में संदिग्ध जिहादियों ने एक बड़ी घटना को अंजाम दिया है। जिहादियों ने 40 लोगों के मौत के घाट उतार दिया है। इस बात की पुष्टि बुर्किना फासो के गवर्नर ने खुद की है। गौरतलब है कि इस क्षेत्र में अल कायदा और आईएस से जुड़े इस्लामी संगठनों का कब्जा है. अभी यह साफ नहीं हो पाया है कि हमलों को किस संगठन ने अंजाम दिया। बता दें कि अभी बीते गुरुवार को ही ऐसी घटना देखने को मिली थी, जब अज्ञात हमलावरों ने हमला कर 44 लोगों की हत्या कर दी थी। तब बुर्किना फासो के साहेल क्षेत्र के कौराकोउ और तोंडोबीगांव को निशाना बनाया था। इस हमले में कई लोग गंभीर रूप से घायल भी हुए थे।

बांग्लादेश में भारतीय कैदी बाबुल सिंह की मौत

ढाका, (एजेंसी)। बांग्लादेश की शरीयतपुर जिला जेल में भारतीय कैदी बाबुल सिंह की मौत हो गई। वह शनिवार रात जेल में बीमार था। बाद में, उसे शाम मे लभगभ साढ़े सात बजे जिले के सदर अस्पताल में भर्ती किया गया जहां डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इससे पहले पांच जनवरी को सतेंद्र कुमार (40) नामक एक अन्य भारतीय की भी जिला जेल में मौत हो गई थी। बाबुल सिंह 17 मई, 2022 को पद्मा ब्रिज के जजीरा किनारे के टोल प्लाजा इलाके से गिरफ्तार किया गया था। बाद में पुलिस ने इनफ्रंट कंट्रोल एक्ट के अंतर्गत शरीयतपुर जिला जेल भेज दिया था। प्रोथोम-अलो ने कहा कि बाबुल सिंह की अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई।

आज का इतिहास

- **1524:** जियोवान्नी वेराजानो ने न्यूयॉर्क खाड़ी की खोज की।
- **1875:** सर नेविले चैंबरलिन ने स्नूकर का अविष्कार किया।
- **1895:** जापान और चीन के बीच शिमोनोसेकी का समझौता हुआ।
- 1899 - कलकत्ता (अब कोलकाता) को पनबिजली मिली।
- 1941 - द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान यूगोस्लाविया ने जर्मनी के समक्ष आत्मसमर्पण किया।
- 1946 - सीरिया ने फ्रांस से स्वतंत्रता हासिल की।
- 1971 - मिस्र, लीबिया और सीरिया ने मिलकर यूनाइटेड अरब स्टेट बनाने के लिए संघ का गठन किया।
- 1975 - भारत के द्वितीय राष्ट्रपति सर्वपल्ली राधाकृष्णन का निधन।

भीड़ के पीछे मत भागो, कुछ ऐसा करो जिससे भीड़ तुम्हारे कदमों पर चले: गृह मंत्री शाह

समाजसेवक अप्पासाहेब धर्माधिकारी महाराष्ट्र भूषण पुरस्कार से सम्मानित

मुंबई, (एजेंसी)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने रविवार को रायगढ़ जिले में कहा कि भीड़ के पीछे भागो, कुछ ऐसा करो जिससे भीड़ तुम्हारे कदमों पर चले।

अमित शाह ने कहा कि अप्पासाहेब धर्माधिकारी ने समाजसेवा में ऐसा ही कुछ किया, जिससे आज उनके सम्मान समारोह में इतनी ज्यादा तादाद में भीड़ इकट्ठा हुई है। रायगढ़ जिले में आयोजित समाजसेवक अप्पासाहेब धर्माधिकारी को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के हाथों महाराष्ट्र भूषण पुरस्कार दिया गया। मौके पर सूबे के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और डिप्टी देवेंद्र फडणवीस उपस्थित थे। शाह ने कहा कि बिना किसी प्रचार की अपेक्षा के सामाजिक कार्य करने वाले समाजसेवी के सम्मान में इतनी बड़ी भीड़ पहली बार आई है। आप सभी इतनी तेज धूप में बैठे हैं, जिससे अप्पासाहेब के लिए आपके मन में प्रेम, आदर और विश्वास का भाव झलकता है।

ऐसा सम्मान, सम्मान और विश्वास त्याग, समर्पण और सेवा से ही प्राप्त किया जा सकता है। अप्पासाहेब में यह सब दिखता है। आपका प्यार और विश्वास ही उनकी उपलब्धियों का सम्मान है। अमित शाह ने कहा कि एक ही परिवार में वीरों की कई पीढ़ियां जन्म लेती हैं, लेकिन उन्होंने पहली बार देखा कि समाज सेवा की संस्कृति तीन पीढ़ियों तक लगातार चल रही है। अमित शाह ने कहा कि महाराष्ट्र ने देश को तीन परंपराएं दी हैं। यह महान छत्रपति शिवाजी महाराज की पावन भूमि है। राष्ट्र के लिए बलिदान की परंपरा छत्रपति शिवाजी महाराज से शुरू हुई। वीर सावरकर, वासुदेव बलवंत फड़के, चाफेकर बंधु और लोकमान्य तिलक जैसे लोगों ने महाराष्ट्र की धरती से देश के लिए अपने प्राणों की आहुति दी। समर्थ रामदास से लेकर तुकाराम महाराज से लेकर नामदेव महाराज तक भक्ति की एक और परंपरा ने हमेशा देश को आगे बढ़ाने का काम किया है। तीसरी परंपरा सामाजिक परिवर्तन की है।

ताज का दीदार, सेल्फी का क्रेज

उत्तर प्रदेश के शहर आगरा में रविवार को ताजमहल के सामने सेल्फी लेती महिलाएं। गौरतलब है ताज का दीदार करना हर इंसान का सपना होता है। उसका पूरा होना जीवन का अमूल्य पल बन गया।

कर्नाटक : पूर्व मुख्यमंत्री शेट्टार ने भाजपा विधायक पद से दिया इस्तीफा

भाजपा में बागियों के सुर हुए तेज

सिरसी ■ एजेंसी

कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता जगदीश शेट्टार ने रविवार को विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा दिया लेकिन अभी उन्होंने भाजपा के प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा नहीं दिया है। श्री शेट्टार ने विधानसभा अध्यक्ष विश्वेश्वर हेगड़े कागेरी से उनके आवास पर मुलाकात की और श्री हेगड़े से मुलाकात करने के बाद उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि उन्होंने अभी सिर्फ विधायक पद से इस्तीफा दिया है। पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से नहीं।श्री शेट्टार ने यह कदम तब उठाया है जब राज्य में 10 मई को विधानसभा चुनाव होने वाला है और उन्हें हुबली-धारवाड़ सेंट्रल से चुनाव लड़ने के लिए टिकट नहीं दिया गया।

जब उनसे अगले कदम के बारे में पूछा गया तो श्री शेट्टार ने कहा कि वह अपने समर्थकों से बातचीत करने के बाद इस पर फैसला करेंगे। श्री शेट्टार की कांग्रेस में शामिल होने की बात पर कहा कि प्रतिद्वंद्वी पार्टी के किसी नेता से अबतक उनसे संपर्क नहीं किया है।इससे पहले हुबली में संवाददाताओं से बात करते हुए श्री शेट्टार ने कहा कि वह भाजपा छोड़ेंगे क्योंकि वहां उनका अपमान हुआ है और कहा कि उन्हें अपने राजनीतिक करियर में कभी उनके साथ ऐसा होने की उम्मीद नहीं की थी। हालांकि, उन्होंने चार दशकों तक पार्टी की सेवा करने का अवसर देने के लिए भाजपा के प्रति अपना आभार व्यक्त किया। श्री शेट्टार ने कहा कि उन्होंने पार्टी के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान के प्रस्तावों को अस्वीकार कर दिया, जैसे कि उन्हें पार्टी में उच्च पद प्रदान करना या परिवार के किसी सदस्य को चुनावी मैदान में उतारना।श्री शेट्टार ने पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा के हवाले से कहा कि अगर उन्हें टिकट नहीं दिया गया तो राज्य में कम से कम भाजपा के 20 से 25 सीटें प्रभावित होंगी।

येदियुरप्पा बोले- शेट्टार और सावदी को कभी माफ नहीं करेगी पार्टी

कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री और विधायक जगदीश शेट्टार ने शनिवार को भाजपा से इस्तीफा दे दिया था। हुबली-धारवाड़ मध्य क्षेत्र से छह बार विधायक रह चुके शेट्टार को बीजेपी ने इस बार के विधानसभा चुनावों के लिए टिकट नहीं दिया। जिससे नाराज होकर जगदीश शेट्टार ने पार्टी छोड़ दी। इससे पहले पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व डिप्टी सीएम लक्ष्मण सावदी ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया। वहीं अब राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा ने भी उनके इस्तीफे पर प्रतिक्रिया दी है। भाजपा नेता बीएस येदियुरप्पा ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि पार्टी जगदीश शेट्टार और लक्ष्मण सावदी को कभी माफ नहीं करेगी। बता दें कि सूत्रों के हवाले से खबर थी कि इस सिलसिले में भाजपा ने शेट्टार को कई विकल्प दिए थे।

जाति आधारित जनगणना रिपोर्ट सार्वजनिक करे केंद्र : राहुल गांधी

बेंगलुरु, (एजेंसी)। कांग्रेस नेता और वायनाड से अयोग्य ठहराए गए सांसद राहुल गांधी ने रविवार को कहा कि उनकी पार्टी कर्नाटक को भाजपा सरकार की 40 प्रतिशत कमीशन की सरकार से मुक्त करेगी। श्री गांधी ने अपनी एक फेसबुक पोस्ट पर लिखा कि हम यह सुनिश्चित करेंगे कि कर्नाटक भाजपा सरकार की 40 प्रतिशत कमीशन की सरकार से मुक्त हो। वहीं उन्होंने रविवार को भाजपा सरकार पर अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लोगों का अपमान करने का आरोप लगाया और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जाति जनगणना सार्वजनिक करने की चुनौती दी। श्री गांधी कहा कि भाजपा का आरोप है कि मैंने इस देश के ओबीसी का अपमान किया है...दरअसल, संयुक्त प्रगतिशील (यूपीए) के सत्ता में रहने के दौरान जातिगत जनगणना की गई थी, लेकिन भाजपा ने सत्ता में आने के बाद डेटा छुपा लिया। आज भाजपा की केंद्र सरकार में अजा-जजा (एससी, एसटी) और ओबीसी का प्रतिनिधित्व केवल सात फीसदी है। उन्होंने यहां'जय भारत'रैली को संबोधित करते हुए कहा कि अगर जाति जनगणना रिपोर्ट सामने आती है, तो यह स्पष्ट हो जाएगा कि ओबीसी का अपमान कौन कर रहा है।

कर्नाटक को40 प्रतिशत कमीशन वाली भाजपा सरकार से मुक्त कराएगी कांग्रेस

दुबई की इमारत में आग लगने से 16 की मौत

दुबई, (एजेंसी)। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में दुबई की इमारत में आग लगने से 16 लोगों की मौत हो गई। हादसे में मरने वालों में केरल के एक दंपती समेत चार भारतीय भी शामिल हैं। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि आग दुबई के सबसे पुराने इलाकों में से एक अल-रास में स्थित इमारत की चौथी मंजिल में लगी और फिर अन्य इलाकों में भी फैल गई। अधिकारियों के मुताबिक हादसे में 16 लोगों की मौत हुई और नौ लोग गंभीर रूप से झुलस गए हैं। दुबई में स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास ने हादसे में चार भारतीयों के मरने की पुष्टि की है। भारतीय वाणिज्य दूतावास में वरिष्ठ अधिकारी बिजेंद्र सिंह ने बताया कि मृतकों में रिजेश कलंगदान (38), उनकी पत्नी जेशी कंदमंगलथ (32), गुडू सलियाकुंडु (49) और इमामकासिम अब्दुल खदेर (43) शामिल हैं।

मरने वालों में चार भारतीय

द्रमुक ने अन्नामलाई को भेजा 500 करोड़ का कानूनी नोटिस

चेन्नई (एजेंसी)। द्रमुक ने भाजपा की तमिलनाडु इकाई के अध्यक्ष के.अन्नामलाई को कानूनी नोटिस भेजा है और उनसे हर्जाने के तौर पर 500 करोड़ रुपए तथा 48 घंटे के अंदर बिना शर्त माफी मांगने की मांग की है। द्रमुक ने श्री अन्नामलाई को यह नोटिस उनकी ओर से राज्य के सीएम एवं पार्टी प्रमुख एम.के.स्टालिन के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोप लगाने तथा सत्तारूढ़ द्रमुक के शीर्ष नेताओं की संपत्ति का विवरण देने वाली 'द्रमुक फाइलों' की पहली सूची जारी करने को लेकर नोटिस भेजा है। श्री अन्नामलाई ने दो दिन पूर्व ही द्रमुक नेताओं की फाइलें जारी की थीं।

द्रमुक के ऑर्गनाइजिंग सचिव आर.एस.भारती की ओर से श्री अन्नामलाई को यह नोटिस जारी किया गया है। नोटिस में उन्होंने मांग की कि श्री अन्नामलाई को 14 अप्रैल, 2023 को पीसी में अपने भाषण/आरोपों के लिए बिना शर्त सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी चाहिए।

अमेरिका में खतरनाक सामग्री से लदी ट्रेन पटरी से उतरी

वाशिंगटन, (एजेंसी)। अमेरिकी राज्य मेन के रॉकवुड के पास खतरनाक सामग्री से लदी एक मालगाड़ी पटरी से उतर गई। मेने राज्य के गवर्नर जैनेट मिल्स ने शनिवार को ट्विटर पर कहा कि मुझे समरसेट काउंटी में ट्रेन के पटरी से उतर जाने के बारे में जानकारी दी गई है। मेने फ़ॉरेस्ट सर्विस और मेन डीईपी [पर्यावरण संरक्षण विभाग] ने स्थानीय आपातकालीन कर्मियों के साथ प्रतिक्रिया दी है। साइट पर मौजूद अधिकारियों ने संकेत दिया है कि सार्वजनिक स्वास्थ्य या सुरक्षा को कोई खतरा नहीं है। रॉकवुड फायर एंड रेस्क्यू ने शनिवार को सोशल मीडिया के माध्यम से ट्रेन के पटरी से उतरने की जानकारी दी और स्थानीय निवासियों को दूर रहने की सलाह दी। हालांकि वहां से लोगों को हटाने के कोई आदेश जारी नहीं किये गये।

एम्स में ईएनटी सर्जन की कांफ्रेंस में लाइव हुई जटिलतम छह सर्जरी

देहरादून, (एजेंसी)। उत्तराखंड के ऋषिकेश स्थित एम्स में 16वीं उत्तराखंड स्टेट एसोसिएशन ऑफ ईएनटी सर्जंस के तत्वावधान में हो रही स्टेट कांफ्रेंस के दूसरे दिन रविवार को छह मरीजों की जटिलतम लाइव सर्जरी की गई। जिसका एम्स ऑडिटोरियम में सीधा प्रसारण भी किया गया। इसके अलावा हेडन नैक विषय पर वर्चुअल डिसेक्शन भी हुआ। एम्स की कार्यकारी निदेशक प्रोफेसर मीनू सिंह की देखरेख में उत्तराखंड स्टेट एसोसिएशन ऑफ ईएनटी सर्जंस की ओर से आयोजित कांफ्रेंस में विशेषज्ञ चिकित्सकों के पैनल ने जटिल ऑपरेशन किए। जिसके अंतर्गत, डॉ. सतीश जैन की अगुवाई में एम्स के नाक, कान, गला (ईएनटी)विभाग के चिकित्सकों ने इससे जुड़ी कई तरह की बीमारियों से ग्रसित मरीजों की जटिलतम शल्य चिकित्सा की।

अमृतसर में पाकिस्तानी ड्रोन द्वारा गिराई गई खेप बरामद, तीन किलो हेरोइन जब्त

जालंधर (एजेंसी)। सीमा सुरक्षा (बीएसएफ) ने शनिवार को मादक पदार्थों की तस्करी के प्रयास को विफल करते हुए अमृतसर में अंतर्राष्ट्रीय सीमा के पास पाक ड्रोन द्वारा गिराई गई नशीले पदार्थों की खेप जब्त की। बीएसएफ के पीआरओ ने रविवार को बताया कि शनिवार की रात लगभग साढे आठ बजे सीमा पर तैनात सीमा सुरक्षा बल के जवानों ने गांव धनो कलां, जिला-अमृतसर के पास के क्षेत्र में पाक से भारतीय क्षेत्र में ड्रोन की आवाज सुनी। उन्होंने बताया कि निर्धारित अभियास के अनुसार, सैनिकों ने फायरिंग करके ड्रोन को रोकने तुरंत प्रतिक्रिया दी। सैनिकों ने गांव धनोए कलां के बाहरी इलाके में गेहूं के खेतों में ड्रोन और कुछ गिरने की आवाज भी सुनी। अधिकारी ने बताया कि क्षेत्र की प्रारंभिक तलाशी के दौरान, बीएसएफ के जवानों ने धनोए कलां गांव के गेहूं के खेत से एक बड़ा बैग बरामद किया जिसमें हेरोइन के तीन पैकेट बरामद हुए।

बीएसएफ ने पाकिस्तानी को पाक रेंजर्स को सौंपा

जालंधर, (एजेंसी)। बीएसएफ ने फिरोजपुर सेक्टर के इलाके में एक पाकिस्तानी नागरिक को भारतीय सीमा में प्रवेश करत हुए पकड़ा था जिसे शनिवार की शाम पाक रेंजर्स के हवाले कर दिया। बीएसएफ के पीआरओ ने बताया कि शनिवार की दोपहर सीमा पर तैनात बीएसएफ के जवानों ने एक पाकिस्तानी नागरिक को फिरोजपुर जिले के गांव राजा राय के पास अंतरराष्ट्रीय सीमा पार कर भारतीय क्षेत्र में प्रवेश करते हुए पकड़ा था। पूछताछ के दौरान, यह पाया गया कि पकड़ा गया पाक नागरिक रहमत अली (72) निवासी कसूर (पाक) गलती से भारतीय क्षेत्र में आ गया था। व्यक्ति के पास निजी सामान के अलावा कुछ भी आपत्तिजनक नहीं मिला। बीएसएफ ने पाक रेंजर्स से संपर्क कर मामले पर विरोध दर्ज कराया। इसके बाद शाम को लगभग 18.30 बजे अनजाने में सीमा पार करने वाले पाक नागरिक को सद्भावना के तौर पर और मानवीय आधार पर पाक रेंजर्स को सौंप दिया गया।

जर्मनी ने अपने आखिरी तीन एटमी संयंत्रों को भी किया बंद

बर्लिन ■ एजेंसी

तकनीक असुरक्षित और अस्थिर

जर्मनी ने अक्षय ऊर्जा की दीर्घकालीन योजना के तहत शनिवार को अपने शेष तीन परमाणु ऊर्जा संयंत्रों को बंद कर दिया। एम्सलैंड, नेकरवेस्टहेम 2 और इसार 2 को बीती रात बंद कर दिया गया।

आरडब्ल्यूई ऊर्जा फर्म ने एक बयान में तीन रिएक्टरों को ग्रिड से काट देने की पुष्टि करते हुए कहा यह एक युग का अंत है। आलोचकों ने थ्री माइल द्वीप, चेरनोबिल और फुकुशिमा में तबाही का हवाला देते हुए कहा कि तकनीक असुरक्षित और अस्थिर है। हालांकि, परमाणु ऊर्जा के समर्थक का कहना है कि जलवायु परिवर्तन से निपटने के वैश्विक प्रयासों के बीच जीवाश्म ईंधन को पहले चरणबद्ध किया जाना चाहिए, परमाणु ऊर्जा का तर्क काफी कम ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन पैदा करता है और ठीक से प्रबंधित होने पर ऊर्जा का एक सुरक्षित स्रोत हो सकता है। जापान में फुकुशिमा परमाणु आपदा के बाद 2011 में पूर्व चांसलर एंजेला मर्केल द्वारा बाहर निकलने की योजना को गति दी गई थी।

खाटू श्याम जी के लिए नई रेल लाइन के लिए सर्वेक्षण को मंजूरी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। रेल मंत्रालय ने राजस्थान में सीकर जिले में स्थित विश्व प्रसिद्ध खाटू श्याम जी तीर्थ स्थल तक सीधी रेल लाइन बिछाने के लिए अंतिम स्थल सर्वेक्षण करने की मंजूरी दे दी है।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव की राजस्थान के सीकर जिले में स्थित तीर्थ स्थल खाटू तक रेलवे लाइन बिछाने की घोषणा के बाद रेल मंत्रालय ने अंतिम बिन्दु सर्वेक्षण को स्वीकृति दे दी है। लाखों श्रद्धालु विभिन्न परिवहन माध्यमों से रोजाना खाटू श्याम जी के दर्शन करने आते हैं। सर्वे के मुताबिक प्रतिदिन 30 हजार भक्त आते हैं और चार से पांच लाख भक्त शुक्रवार, शनिवार एवं रविवार को आते हैं। एकादशी पर 10 लाख श्रद्धालु आते हैं, जबकि मार्च के 15 दिवसीय मेले के दौरान 30 से 40 लाख श्रद्धालु आते हैं। खाटू श्याम जी मंदिर तीर्थयात्रियों और भक्तों द्वारा सबसे अधिक दर्शन किये जाने वाले भारतीय मंदिरों में से एक है। ट्रेन से आने वाले भक्त पहले रींगस पहुंचते हैं और उसके बाद स्थानीय परिवहन माध्यमों से खाटू श्याम जी पहुंचते हैं।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने की घोषणा

अलर्ट गूगल ने एक बग खोजा जो आपके डिवाइस के लिए हो सकता है हानिकारक

गूगल क्रोम यूजर्स के लिए खतरे की घंटी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दुनिया भर में सबसे ज्यादा यूज किए जाने वाले वेब ब्राउज़रों में से एक है। यदि आप भी अपने रोज के काम के लिए क्रोम का यूज करते हैं, तो यहां खबर आपके लिए एक चेतावनी है। गूगल ब्राउजर को तुरंत अपडेट करना जरूरी है।

गूगल ने एक बग खोजा है जो आपके डिवाइस के लिए एक हानिकारक हो सकता है। एक ब्लॉग पोस्ट में, गूगल ने पुष्टि की है कि एक्सप्लॉइट विंडोज, मैक और लिनक्स पर क्रोम को प्रभावित कर रहा है। गूगल ने क्रोम ब्राउजर में दो सुरक्षा बग का पता लगाया है और बग को स्वीकार करते हुए कहा है कि गूगल को पता है कि सीवीई -2023-2033 में एक एक्सप्लॉइट मौजूद है। गूगल के थ्रेट एनालिसिस ग्रुप ने बग की पहचान की। इस सिक्योरिटी फ्ला को दूर करने के लिए गूगल ने एक नया क्रोम अपडेट जारी किया है और यूजर्स को अपने ब्राउज़रों को जल्द से जल्द अपडेट करना चाहिए। पुराने सॉफ्टवेयर का उपयोग करने से बगों से प्रभावित होने का जोखिम बढ़ जाता है। अपडेट न केवल रिपोर्ट की गई प्रॉब्लमस को ठीक करते हैं बल्कि रिपोर्ट न किए गए बग को रोकने के लिए सॉफ़्टवेयर को भी मजबूत करते हैं।

गूगल क्रोम को कैसे अपडेट करें

1. गूगल क्रोम को अपडेट करने के लिए सबसे पहले अपने सिस्टम पर क्रोम ब्राउजर खोलें।
2. वेब की स्क्रीन के ऊपरी दाएं कोने में तीन डॉट्स पर टैप करें।
3. सेटिंग्स पर क्लिक करें।
4. फिर, अबाउट क्रोम पर क्लिक करें। यहां, आप देखेंगे कि आप किस वर्जन का उपयोग कर रहे हैं।
5. यदि यह पुराने वर्जन पर है, तो यह आटोमेटिकली रूप से आपके गूगल क्रोम को लेटेस्ट वर्जन में अपडेट कर देगा।

फरार कुख्यात अपराधियों पर इनामी राशि में की गई वृद्धि

जयपुर, (ब्यूरो)। राज्य सरकार ने प्रदेश के कुख्यात अपराधियों की गिरफ्तारी पर इनामी राशि में वृद्धि की है। अब ऐसे फरार अपराधियों पर पुलिस महानिदेशक 5 लाख रुपए तक, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (अपराध) 1 लाख रुपए तक, पुलिस रेंज महानिरीक्षक 50 हजार रुपए तक और जिला पुलिस अधीक्षक 25 हजार रुपए तक की इनामी राशि की घोषणा कर सकेंगे। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने शनिवार को कानून व्यवस्था की समीक्षा बैठक में इनामी राशि में वृद्धि के निर्देश दिए थे। इस निर्णय से आमजन की मदद से कुख्यात अपराधियों पर प्रभावी नियंत्रण हो सकेगा। गिरफ्तार करने वाले पुलिसकर्मियों को भी प्रोत्साहन मिलेगा। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2013 के बाद इनाम राशि में अब बढ़ोतरी की गई है।

अधिकारी स्तर	पहले	अब
पुलिस महानिदेशक	1 लाख	5 लाख
अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक	50 हजार	1 लाख
पुलिस रेंज महानिरीक्षक	10 हजार	50 हजार
जिला पुलिस अधीक्षक	5 हजार	25 हजार

मुख्यमंत्री का अहम निर्णय

कार्डियक इमेजिंग कॉन्फ्रेंस में विशेषज्ञों ने दी जानकारी

एआई आधारित कार्डियक इमेजिंग उपचार को बनाता है सटीक

हिलव्यू समाचार

जयपुर। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित एमआरआई और सीटी स्कैन से अब इलाज संभव हो गया है और यह बेहतरीन तकनीक है। राजस्थान में पहली बार उपलब्ध यह नई तकनीक डॉक्टर्स को बुजुर्गों और बच्चों सहित सभी के हृदय रोगों का जल्दी और सटीक निदान करने में मदद करती है।

उन्नत प्रौद्योगिकी विशेष रूप से बाल रोगियों के लिए वरदान है, क्योंकि सीटी स्कैन में विकिरण बहुत कम है और बहुत कम समय में एमआरआई स्कैन हो जाती है। यह विचार महाजन इमेजिंग एंड लैब्स के कार्डियक इमेजिंग-द नीड ऑफ द आवर विषय पर हुई सेमिनार में एक्सपर्ट ने रखे।

सर्जरी का फैसला अब सीएमआर पर निर्भर

वहीं, डॉ. टीएस क्लेर ने इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजिस्ट के रूप में अपने क्लिनिकल प्रैक्टिस में कार्डिएक एमआर (सीएमआर) की भूमिका पर बात की। उन्होंने कहा कि हृदय रोग के रोगियों के इलाज की दिशा तय करने में सीएमआर महत्वपूर्ण हो गया है। सर्जरी करने या न करने का फैसला अब सीएमआर पर निर्भर है। डॉ. आर. टोंगिया ने हृदय रोग के प्रबंधन में सीटी और एमआरआई के लाभों के बारे में बताया। डॉ. राहुल सिंघल ने कार्डियक इलेक्ट्रोफिजियोलॉजी के बारे में जानकारी दी और कहा कि हृदय की विद्युतीय प्रणाली का तालमेल बिगड़ जाने पर इसके इलाज में कार्डियक इमेजिंग का महत्व बढ़ गया है। नीरव बंसल और डॉ. माला अरन ने उपलब्ध नवीनतम तकनीक और रोगी केंद्रित स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी दी।

प्रदेश भर से आए विशेषज्ञ

सम्मेलन के आयोजन सचिव डॉ. सुमन सिंघल ने बताया कि सेमिनार में राज्य के प्रसिद्ध हृदय रोग विशेषज्ञ, कार्डियक सर्जन, एनेस्थेटिस्ट और चिकित्सकों ने भाग लिया। सम्मेलन में मुख्य रेडियोलॉजिस्ट व पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित डॉ. हर्ष महाजन, डॉ. टी एस क्लेर, इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजिस्ट, फोर्टिस मेमोरियल अस्पताल गुड़गांव में फोर्टिस हार्ट एंड वैस्कुलर इंस्टीट्यूट के अध्यक्ष और पद्म भूषण अवार्डी व डॉ. सुमन सिंघल ने कार्डियक इमेजिंग तकनीकों में प्रगति के बारे में विभिन्न इंटरेक्टिव सत्रों में विचार रखे।

प्लाक बताता है दौरा पड़ा या नहीं

इस मौके पर विशेषज्ञों ने बताया कि प्लाक इमेजिंग तकनीक यह बताने में सहायक है कि हृदय रोगी को दिल का दौरा पड़ेगा या नहीं। हृदय रोग राजस्थान सहित पूरे देश के लिए प्रमुख गैर-संचारी रोगों में से एक है। विशेष रूप से कोविड-19 के बाद हृदय रोगों में वृद्धि देखी जा रही हैं, जो स्क्रीनिंग कार्यक्रमों की आवश्यकता पर बल देता है। डॉ. महाजन ने कहा कि दिल का दौरा आमतौर पर दिल की धमनियों में प्लाक जमा होने के कारण होता है। अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस द्वारा संचालित ऐसी उन्नत परीक्षण तकनीकों से दिल के दौरे का पहले ही पता लगा सकते हैं। हृदय के सीटी स्कैन में प्लाक इमेजिंग टेस्ट का उपयोग करके हम यह जान सकते हैं, कि धमनियों में कितना प्लाक जमा है और इसका क्या निदान है।

तकनीक बताती है फायदा होगा या नहीं

डॉ. सुमन सिंघल ने कहा कि एडवांस कार्डियक एमआरआई, पैरामीट्रिक मैपिंग और मायोकार्डिअल वायबिलिटी जैसी तकनीकों से पता लगाया जा सकता है कि बायपास सर्जरी या स्टेंटिंग से फायदा होगा या नहीं। राजस्थान के मरीजों को पहली बार ऐसी तकनीक मिली है। नई युग की मशीन से बाल चिकित्सा के साथ-साथ वयस्कों में हृदय रोग, शरीर रचना, प्रवाह, वेंट्रिकुलर फंक्शन और मायोकार्डियल रोग के बारे में सटीक जानकारी मिलती है।

महाराणा प्रताप ऑडिटोरियम में हुआ संगीतकार नदीम को समर्पित कार्यक्रम

'सुपर स्टार्स के गीत' में गायिकी के अंदाज़ से जमा रंग

हिलव्यू समाचार

जयपुर। बॉलीवुड को सैकड़ों सुपरहिट फिल्मों और गीतों की सौगात देने वाले 4 सुपर स्टार्स राजकपूर, राजेन्द्र कुमार, राजेश खन्ना और नदीम-श्रवण की जोड़ी के तराने जयपुर की फिजा में घुल गए। संगीतकार नदीम को समर्पित कार्यक्रम 'अंदाज अपना-अपना' में महाराणा प्रताप ऑडिटोरियम शोभित हुआ। बालोदिया इवेंट्स की ओर से गायक मोहन कुमार बालोदिया के निर्देशन में आयोजित कार्यक्रम का आकर्षण मोहन बालोदिया और रश्मि बालोदिया के गाए गीत रहे। मोहम्मद रफी, कभी किशोर कुमार तो कभी मुकेश की याद को ताजा किया तो अभिनय से सराबोर गाने के अंदाज से राजकपूर, राजेश खन्ना और राजेन्द्र कुमार की अदाओं को मंच पर साकार कर बड़ी संख्या में कार्यक्रम सुनने आए संगीत प्रेमियों को मोहपाश में बांध लिया। वहीं, रश्मि की आवाज में लता की मिठास तो आशा भौंसले की शोखी का अंदाज सुनने योग्य था। कार्यक्रम के दौरान हास्य कलाकार एमएस रंगीला और प्रथम कुमावत ने हास्य झलकियों से लोगों का भरपूर मनोरंजन किया। समाजसेवी दिनेश गुप्ता मुख्य अतिथि थे। अध्यक्षता पंकज भाटिया ने की। कलाकार बिग बी के फैन सुनील नाटानी विशिष्ट अतिथि थे।

ये सिंगर भी रहे आकर्षण

नागेश भटनागर, सुधीर शर्मा, कृष्ण कन्हैया मीणा, राजीव माथुर, बेला माथुर, अंजलि वर्मा, विधि आचार्य, समीर सेन। कार्यक्रम का संचालन अरुण किम्मतकर ने किया।

कोटा की नंदिनी बनी 'फेमिना मिस इंडिया विश्व-2023' की विजेता

मिस वर्ल्ड में देश का प्रतिनिधित्व करेंगी फेमिना मिस इंडिया वर्ल्ड

जयपुर। प्रदेश का टैलेंट एक बार फिर विश्व पटल पर है। इस बार राजस्थान की नंदिनी गुप्ता 'फेमिना मिस इंडिया वर्ल्ड-2023 की विजेता बनी है। गर्व की बात ये भी है कि अब वह 'मिस वर्ल्ड' प्रतियोगिता में देश का प्रतिनिधित्व करेंगी। कोटा की रहने वाली नंदिनी को मणिपुर के इंफाल में शनिवार रात 'ग्रैंड फिनाले इवेंट' में विजेता घोषित किया गया। वहीं, दिल्ली की श्रेया पूंजा को 'फेमिना मिस इंडिया-2023' का प्रथम 'रनर-अप' और मणिपुर की थौनाओजम स्ट्रेला लुवांग को दूसरी 'रनर-अप' घोषित किया गया। कार्यक्रम में पूर्व विजेता सिनी शेट्टी, रुबल शेखावत, शिनाता चौहान, मनसा वाराणसी, मनिका श्योकंद, मान्या सिंह, सुमन राव और शिवानी जाधव ने प्रस्तुति दी। कार्तिक आर्यन और अनन्या पांडे ने कार्यक्रम के 59वें संस्करण में परफॉर्म किया। मेजबानी मनीष पॉल और भूमि पेडनेकर ने की।

जयपुर में खुशी की लहर

नंदिनी की इस उपलब्धि से जयपुर के फैशन वर्ल्ड के लोगों के साथ ब्यूटी पेजेंट कराने वाले विशेषज्ञों में खुशी की लहर है। ऐसे में अब वे मिस वर्ल्ड में भारत का प्रतिनिधित्व भी करेंगी। इससे खुशी दोगुनी हो गई है। उनको इस उपलब्धि पर फैशन वर्ल्ड के लोगों ने बधाई दी है। इस अवसर पर मिस राजस्थान के आयोजक योगेश मिश्रा ने बताया नंदिनी ने फैमिना मिस इंडिया में राजस्थान का प्रतिनिधित्व किया व मिस इंडिया का खिताब अपने नाम कर लिया। मिस इंडिया का खिताब जीतने वाली कंटेस्टेंट को मिस इंडिया वर्ल्ड का खिताब भी दिया जाता है, जो मिस वर्ल्ड में भारत का प्रतिनिधित्व करती है। यह राजस्थान के लिए दूसरा मौका है, जब राजस्थान ने मिस इंडिया बन मिस वर्ल्ड में अपनी दावेदारी पेश की है। इससे पूर्व सुमन राव मिस इंडिया बनी थीं।

ये रही जूरी

निर्णायक मंडल में फेमिना मिस इंडिया यूनिवर्स 2002 और मेंटर नेहा धूपिया, बॉक्सिंग आइकन लैशराम सरिता देवी, कोरियोग्राफर टेरेंस लुईस, फिल्म निर्देशक और लेखक हर्षवर्धन कुलकर्णी और फैशन डिजाइनर रॉकी स्टार के साथ जोशीपुरा शामिल थे।

खान विभाग ने कायम किया रिकॉर्ड

सरकार का भरा खजाना, 1321 करोड़ रुपए का राजस्व प्राप्त

हिलव्यू समाचार

जयपुर। राजस्थान में पांच प्रमुख माइनर मिनरल्स से ही राज्य सरकार को 1321 करोड़ 37 लाख रुपए का रिकॉर्ड राजस्व प्राप्त हुआ है। मैसेनेरी स्टोन, मार्बल, ग्रेनाइट, सेंड स्टोन और लाइमस्टोन बर्निंग माइनर मिनरल्स से 2019-20 की तुलना में 400 करोड़ रुपए की राजस्व बढ़ोतरी हुई है। माइंस विभाग की ओर से वैध खनन को बढ़ावा देने और राजस्व छीजत में प्रभावी रोक का ही परिणाम है कि राज्य में माइनिंग क्षेत्र से राज्य सरकार को राजस्व प्राप्ति का नया रेकार्ड कायम किया जा रहा है। अतिरिक्त मुख्य सचिव माइंस एवं पेट्रोलियम डॉ. सुबोध अग्रवाल ने बताया कि हाल ही समाप्त हुए वित्तीय वर्ष में माइंस क्षेत्र से 7 हजार 211 करोड़ और पेट्रोलियम क्षेत्र से 4 हजार 889 करोड़ रुपए से अधिक का राजस्व एकत्रित कर समग्र रूप से माइंस एवं पेट्रोलियम क्षेत्र से 12 हजार 100 करोड रुपए से भी अधिक का राजस्व संग्रहित कर रेवेन्यू प्राप्त करने का नया इतिहास बनाया गया है। उन्होंने बताया कि ग्रेनाइट के क्षेत्र में तो वर्ष 2019-20 के 113 करोड़ 73 लाख के राजस्व की तुलना में वर्ष 2022-23 में 226 करोड़ 06 लाख रुपए का राजस्व संग्रहित कर वृद्धि लगभग दोगुनी हो गई है। वहीं पांचों माइनर मिनरल्स में ही गत वित्तीय वर्ष की तुलना में इस साल राजस्व प्राप्ति में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। अग्रवाल ने बताया कि राजस्व बढ़ाने के लिए विभाग द्वारा योजनाबद्ध प्रयास करने के साथ ही मॉनिटरिंग सिस्टम को मजबूत बनाया गया, जिसके परिणाम स्वरूप 31 मार्च, 2023 को समाप्त हुए वित्तीय वर्ष में मैसेनेरी स्टोन, मार्बल, ग्रेनाइट, सेंड स्टोन और लाइमस्टोन बर्निंग माइनर मिनरल्स से गत वित्तीय वर्ष से भी 184 करोड़ से अधिक की बढोतरी के साथ 1321 करोड़ 37 लाख रुपए का रेवेन्यू प्राप्त हुआ है।

कच्ची बस्ती के बच्चों ने रंग जमाया

हिलव्यू समाचार

जयपुर। पंखशाला जागृति संस्थान की और से गौतम पैराडाइज, गौतम ऋषि मार्ग, मानसरोवर में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि अरुण सक्सेना थे।

गणेश वंदना के बाद कच्ची बस्ती के नन्हे-मुन्ने बच्चों ने रंगीलो मारो ढोलना आदि गानों पर शानदार प्रस्तुति दी। मास्टर राजवीर ने मुकेश के गाने मेरा महबूब आया है, गाकर तालियां बटोरी। नृत्यांगना चार्मी खंडेलवाल ने राजस्थानी फोक नृत्य किया। संस्था सचिव आशीष सक्सेना ने अतिथियों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। अध्यक्ष कविता सक्सेना ने कहा कि संस्था का उद्देश्य है कि कच्ची बस्ती में जो बच्चे कचरा बीनने वाले हैं, उन्हें प्लेटफार्म मिल सके। इस मौके पर मीनाक्षी माथुर, शोभा सक्सेना कला मंजर सोसाइटी, ममता शर्मा, बाबूलाल गौतम मौजूद रहे। मंच संचालन श्रद्धा शर्मा ने किया।

भाजपा का भरतपुर बूथ महासम्मेलन

कांग्रेस सरकार की 2023 में हमेशा के लिए सत्ता से विदाई तय

हिलव्यू समाचार

जयपुर/भरतपुर। भरतपुर में भाजपा के बूथ महासम्मेलन में पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने कांग्रेस पर कटाक्ष करते हुए कहा कि एक कुर्सी नहीं छोड़ने की जिद पर है, तो दूसरा कुर्सी पाने की जिद में। दोनों की जिद में राजस्थान पिस रहा है। इसलिए सब मिल कर कृष्ण की इस पवित्र भूमि पर संकल्प लें कि कंस रूपी गहलोत साकार को उखाड़ कर ही दम लेंगे। राजे ने कहा कि हमारी पिछली भाजपा सरकार ने 13 जिलों के लिए ईआरसीपी का काम शुरू किया पर गहलोत की इच्छा शक्ति की कमी के कारण इन जिलों की लाइफ लाइन अटक गई। गहलोत ने 2008 और 2018 में जोड़ तोड़ की सरकार बनाई, जो आज भी अल्पमत में है। उनकी पार्टी के विधायक और उनके मंत्री उनके खिलाफ हैं। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सी.पी. जोशी ने कहा कि शाह के आने से कांग्रेस की नींद उड़ जाती है। उन्होंने कहा कि आज राजस्थान का गरीब और युवा अपने आप को गहलोत सरकार में ठगा महसूस कर रहा है। सम्मेलन में 4 जिले और 19 विधानसभाओं के 8640 बूथ के अध्यक्ष और महामंत्री मौजूद रहे।

कांग्रेस सरकार ने प्रदेश को किया कलंकित

उपनेता प्रतिपक्ष सतीश पूनियां ने कहा कि कांग्रेस शासन में राजस्थान पेपर लीक में नंबर वन है, अपराधों में नंबर वन है, महिला अपराधों में भी नंबर वन है। प्रदेश को कलंकित करने वाली कांग्रेस सरकार को जनता 2023 में सत्ता से हमेशा के लिए विदा कर सबक सिखाएगी। उन्होंने कहा कि राजस्थान में भाजपा बूथ और पन्ना पर जमीनी तौर पर बहुत मजबूत हो चुकी है। 50 हजार बूथों पर प्रदेश में भाजपा का फोटोयुक्त बूथ समितियों का काम पूर्ण हो चुका है, लगभग 80 प्रतिशत पन्ना का काम पूरा हो चुका है। नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने कहा कि प्रदेश में सबसे ज्यादा अपराध भरपुर संभाग में हो रहे हैं। चाहे गोकशी हो या रंगदारी का मामला हो सबसे ज्यादा मामले यहां ही होते हैं। राठौड़ ने कहा कि राज्य की कांग्रेस सरकार हर मोर्चे पर विफल हैं।

कार्यक्रम में भाजपा के ये दिग्गज रहे मौजूद

कार्यक्रम में गृह मंत्री अमित शाह के साथ मंच पर अध्यक्ष सी.पी. जोशी, पूर्व सीएम वसुंधरा राजे, नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़, उपनेता प्रतिपक्ष सतीश पूनियां, प्रदेश प्रभारी अरुण सिंह, सांसद गजेंद्र शेखावत, सांसद अर्जुन मेघवाल, सांसद कैलाश चौधरी, संगठन मंत्री ओम प्रकाश माथुर, सह प्रभारी विजाया राहटकर, सांसद राजेंद्र गहलोत, सांसद संजीव बालियान, सांसद कनकमल कटारा, सांसद रंजीता कोली, सांसद सुखबीर सिंह जौनपुरिया,सांसद, मनोज राजोरिया मौजूद रहे।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, एवं मुद्रक शालिनी श्रीवास्तव के लिए अम्बर ऑफसेट प्राइवेट लिमिटेड, डी.एल. टॉवर, 3-ए, विद्याश्रम संस्थानिक क्षेत्र, जेएलएन मार्ग, जयपुर में मुद्रित एवं प्लॉट नंबर C-2,अर्शिया रेजिडेंसी, फ्लैट नंबर 201,आदर्श नगर,राजा पार्क जयपुर-302004 (राजस्थान) से प्रकाशित।

संपादक : शालिनी श्रीवास्तव **सह-संपादक:** हरीश श्रीवास्तव, छबड़ा बारां **सह-संपादक :** कुलदीप गुप्ता, जयपुर मो.: 9460678701, 7976561127 (21 जून 2014 से निरन्तर प्रकाशित) hillviewsamachar@gmail.com (राजस्थान सरकार से विज्ञापन हेतु स्वीकृत)